रांची, सोमवार, 29 जून 2026
संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 14 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 285 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

PR No: 383463 (School Education and Literacy)26-27

1,042 नव चयनित इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों का

नियुक्ति-पत्र

वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री राधाकृष्ण किशोर
माननीय मंत्री, वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग, वाणिज्य कर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग, झारखण्ड

29 जून, 2026 | अपराह्न 1:00 बजे
टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड

न्यूज IN ब्रीफ

डीजे गाड़ी पलटने से एक युवक की मौत, तीन घायल

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के हंटरगंज-पांडेयपुरा मुख्य मार्ग पर कारनी मोड़ के पास हुए रविवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। यहां एक डीजे लदी सवारी गाड़ी पलटने से 19 वर्षीय युवक अभिषेक कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 9 बजे प्रतापपुर थाना क्षेत्र के घोड़दौड़ गांव से चार युवक गाड़ी में पेट्रोल भरवाने पांडेयपुरा जा रहे थे। इसी दौरान कारनी मोड़ के पास चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी पलट गई। मृतक अभिषेक के घर में चचेरे भाई की बारात जाने की तैयारी चल रही थी, लेकिन इस घटना से पूरे परिवार में चीख-पुकार मच गई। एक घायल हेमंत कुमार (23 वर्ष) का एक हाथ कटकर अलग हो गया। हेमंत की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे मगध मेडिकल कॉलेज, गया रेफर कर दिया गया है। हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि दो अन्य घायलों विकास कुमार और रोशन कुमार का इलाज स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

20 लाख के ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

चतरा : जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सदर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए करीब 20 लाख रुपये मूल्य की 21.10 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि चतरा-इटखोरी मार्ग पर भेड़ी फार्म डैम के समीप कुछ लोग मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री के उद्देश्य से पहुंचे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी की और संदिग्धों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान दोनों युवकों के पास से 21.10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। बरामद मादक पदार्थ का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब 20 लाख रुपये आंका गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान इटखोरी थाना क्षेत्र के पीतिज गांव निवासी बेचन दांगी के पुत्र विकास कुमार दांगी तथा इंद्रदेव सिंह के पुत्र रवि कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को मौके से गिरफ्तार कर थाना लाया, जहां उनसे पूछताछ की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि ब्राउन शुगर की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। पुलिस इस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि जिले में नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। नशा तस्करों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अवैध कारोबार पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी अभियान में एनडीपीएस थाना प्रभारी शमी अंसारी, एससीएसटी थाना प्रभारी प्रवेश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक कासीम अंसारी, प्रवीण कुमार सिंह व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

तस्करों की नई ब्रेजा कार भी जब्तः छापेमारी अभियान के दौरान पुलिस ने तस्करों के पास से उनकी नई ब्रेजा कार व दो एनरायड मोबाइल फोन भी जब्त किया है। तस्कर भेड़ी फार्म डैम के पास बाहरी तस्कर का इंतजार कर रहे थे। यहां बाहर से तस्कर ब्राउन शुगर की खरीदारी करने के पहुंचने वाले थे। लेकिन पुलिस ने इससे पहले इन्हें गिरफ्तार कर लिया। हांलाकि पुलिस ने इस नेटवर्क में शामिल कुछ अन्य तस्करों की भी पहचान की है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

एसआईआर को लेकर बूथ स्तर पर झामुमो ने तेज की तैयारी

चतरा : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बूथ स्तर पर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में रविवार को चतरा कॉलेज के मल्टीपरपज हॉल में झामुमो चतरा जिला कमेटी की ओर से बूथ सम्मेलन सह बीएलए-2 का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से पहुंचे बीएलए-2, बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया और उनकी जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी गई।प्रशिक्षण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि एसआईआर अभियान के दौरान बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बीएलए-2 और बूथ अध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाए तथा सत्यापन के दौरान किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से हटने न पाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क कर लोगों को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया की जानकारी देने और आवश्यक सहयोग करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि राज्यभर में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि एसआईआर अभियान प्रभावी ढंग से संचालित हो सके और आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में शामिल होना आवश्यक है।कार्यक्रम की शुरूआत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। प्रशिक्षण में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने,नए मतदाताओं को जोड़ने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नीलेश ज्ञासेन ने तथा संचालन जिला सचिव चंद्रदेव साहू ने किया।

देव स्नान यात्रा आज, 15 दिनों के एकांतवास पर गये प्रभु जगन्नाथ

संवाददाता

रांची : प्रभु जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा महोत्सव की शुरूआत सोमवार यानी आज देव स्नान यात्रा के साथ हो गयी। इसे लेकर मंदिर परिसर में सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी थी। दोपहर एक बजे स्नान यात्रा पूजा आरंभ हुई, जिसका समापन 1:45 बजे हुआ। इसके बाद 1:50 बजे महाआरती और दोपहर 2 बजे से 3:30 बजे तक श्रद्धालुओं ने भगवान का जलाभिषेक किया। इस दौरान 108 मंगल आरती, जगन्नाथ अष्टकम और श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ भी हुआ।

शाम 4 बजे स्नान यात्रा के बाद धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा 15 दिनों के लिए एकांतवास (अनवसर) पर चले गये। इस अवधि में भगवान के दर्शन नहीं होंगे और श्रद्धालु केवल राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं के दर्शन कर सकेंगे। 15 जुलाई

को भगवान एकांतवास से बाहर आएंगे। इसके बाद नेत्रोत्सव होगा और अगले दिन भगवान भव्य रथ पर सवार होकर नौ दिनों के लिए मौसीबाड़ी प्रस्थान करेंगे। 25 जुलाई को उनकी वापसी मुख्य मंदिर में होगी।

देव स्नान यात्रा के लिए इस वर्ष 53 पवित्र घड़ों की व्यवस्था की गई थी। इन घड़ों के जल में गंगाजल, अश्वगंधा, मधु, हल्दी, इत्र सहित विभिन्न पूजन सामग्रियां मिलाकर भगवान का अभिषेक किया गया। सबसे पहले भगवान बलभद्र, फिर माता सुभद्रा और अंत में भगवान जगन्नाथ को स्नान कराया गया।

धार्मिक मान्यता है कि स्नान पूर्णिमा के दिन भक्तों द्वारा भगवान को अत्यधिक स्नान कराने के कारण वे अस्वस्थ हो जाते हैं और 15 दिनों तक गरुड़ मंदिर में एकांतवास करते हैं। इस दौरान उनका पंचगव्य, दूध, घी, शहद, इत्र और गंगाजल से महाभिषेक किया गया। साथ ही भगवान जगन्नाथ की कथा, महाआरती और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया था।उधर, आगामी रथयात्रा को लेकर रथ निर्माण का कार्य भी अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सनातन परंपरा और पुरी की परंपरा के अनुसार रथयात्रा महोत्सव की औपचारिक शुरूआत स्नान पूर्णिमा से ही मानी जाती है।

मुहर्रम जुलूस के सफल आयोजन के लिए प्रमुख खलीफा मो महजूद ने सभी का जताया आभार

संवाददाता

रांची : प्रमुख खलीफा मो महजूद ने शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुए मुहर्रम जुलूस के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

प्रमुख खलीफा मो महजूद ने कहा कि मुहर्रम जुलूस में शामिल होकर आयोजन की गरिमा बढ़ाने एवं भाईचारे का संदेश देने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, राज्य के मंत्रीगण, विधायकगण का हृदय से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने रांची की आम जनता, टीम इमाम बख्श, सभी अखाड़ों के प्रमुख खलीफाओं, अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों, सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की पूरी टीम तथा आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों का विशेष धन्यवाद दिया।

प्रमुख खलीफा ने जिला प्रशासन और पुलिस

प्रशासन के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, ग्रामीण एसपी, ट्रैफिक एसपी, एएसपी निखिल राय, सभी थाना प्रभारी, रांची नगर निगम के नगर आयुक्त सुशांत गौरव, अपर नगर आयुक्त संजय कुमार सहित सभी प्रशासनिक अधिकारियों, बिजली विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग की सराहना की।

इसके अलावा उन्होंने श्री महावीर मंडल रांची, श्री महावीर मंडल रांची महानगर, विभिन्न स्वागत शिविरों के आयोजकों, सभी अखाड़ों के खलीफाओं एवं पदाधिकारियों, रांची के अमनपसंद एवं प्रबुद्ध नागरिकों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों तथा सभी स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को भी सफल आयोजन के लिए साधुवाद दिया।

अंत में प्रमुख खलीफा मो महजूद ने कहा, मैं रांची सहित पूरे झारखंड की जनता का दिल से आभार व्यक्त करता हूं। रांची की यही खूबसूरती है कि यहां हर धर्म और हर मजहब का सम्मान किया जाता है। आपसी भाईचारा, प्रेम और सौहार्द ही हमारी सबसे बड़ी पहचान है, जिसे हम सबको मिलकर हमेशा कायम रखना चाहिए।

संघारी घाटी में कोयला लदा ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, चालक-खलासी गंभीर

संवाददाता

चतराः जिले के सदर थाना अंतर्गत संघरी घाटी में आज तड़के कोयला लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक के चालक और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। घाटी में उतरने के दौरान ट्रक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की मदद से चालक और खलासी को ट्रक से बाहर निकालकर इलाज के लिए सदर अस्पताल चतरा भेजा गया, जहां दोनों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को हटाने तथा यातायात सामान्य कराने की कार्रवाई शुरू कर दी। दुर्घटना के कारण कुछ समय तक मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार, ब्रेक फेल होने या वाहन पर नियंत्रण खोने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ अजहर ने बताया कि घायल चालक का नाम बबलू कुमार है जो उत्तरप्रदेश के मेरठ का रहने वाला है। वही खलासी बिहार के बक्सर जिला का रहने वाला है।

प्रेम प्रसंग में बड़े भाई ने छोटे भाई का गला घोंटा, 4 हिरासत में

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित सेलवार गांव से बीती रात हत्या की एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां देवर-भाभी के अवैध प्रेम प्रसंग से नाराज एक बड़े भाई ने अपने ही सगे छोटे भाई की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी। मृतक की पहचान 35 वर्षीय देवचरण यादव के रूप में हुई है। पहले यह मामला दीवार निर्माण के विवाद का लग रहा था, लेकिन हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक का अपनी भाभी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसकी भनक लगने पर बड़े भाई कामदेव यादव ने उसकी जान ले ली। मृतक की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने बड़े भाई, भाभी और उनके बेटे-बेटी समेत चार लोगों को हिरासत में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए रांची से फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई है और आगे की तफ्तीश जारी है।

पारा शिक्षक पर अमानवीय व्यवहार का आरोप, उपायुक्त के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

चतरा : जिले के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय आरा (मोकतमा) में एक पारा शिक्षक पर अमानवीय व्यवहार के गंभीर आरोप लगे हैं। जानकारी के अनुसार, पारा शिक्षक बिनोद कुमार सिंह ने स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों से जबरन मजदूरी करवाई। आरोप है कि उन्होंने छात्रों से झाड़ू लगवाया और खुद कुर्सी पर बैठकर अपने हाथ-पैर की मालिश भी करवाई। पीड़ित छात्र मोहित के पिता बालेश्वर गंझू ने बताया कि जब उनके बेटे ने इस तरह के काम करने से मना किया, तो शिक्षक ने उसे बेरहमी से पीटा। मारपीट इतनी गंभीर थी कि बच्चे के कान से खून निकलने लगा। पीड़ित छात्र के

पिता के अनुसार, शिक्षक ने न सिर्फ मारपीट की बल्कि जातिसूचक गालियां भी दीं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षक ने अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए बच्चे का मनोबल तोड़ने की कोशिश की। इस घटना से छात्र और उसके परिवार में भय और आक्रोश का माहौल है। परिजनों ने इसे गुरु-शिष्य संबंधों के खिलाफ बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है और आरोपी शिक्षक के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग उठ रही है। मामले के सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। चतरा के उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक बिनोद कुमार सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

बुर्जुगों व बच्चों के सम्मान के साथ महेश नवमी महोत्सव का हुआ समापन

मेट्रो रेज

रांची : 21 से 28 जून तक चले महेश नवमी महोत्सव का समापन समाज के वरिष्ठ सदस्यों एवं मेधावी बच्चों को सम्मान देकर हुआ। सभा सचिव नरेंद्र लखोटिया के अनुभवी एवं कुशल मार्गदर्शन में महोत्सव के मुख्य संयोजक अंकुर डागा एवं सुरेश सारडा तथा सह सयोंजिका सुमन बाहेती ने महोत्सव को सफल बनाने में विगत 15 दिनों से योजना एवं उसके क्रियान्वयन पर कार्य किया । प्रचार प्रसार एवं मीडिया कार्य अशोक साबू एवं रश्मि मालपानी ने संभाला। महोत्सव के लिए अर्थ संग्रह की जिम्मेदारी विशेष रूप से प्रभात साबू एवं हेमंत साबू ने ली। राजेश सोमानी एवं श्याम सुंदर बिहानी ने पूरे महोत्सव के दौरान भोजन की काफी अच्छी व्यवस्था की।

समापन के दिन 28 जून 2026 को माहेश्वरी भवन में सुडोकू चैलेंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । संयोजक हार्दिक बिहानी एवं सोविक बोड़ा ने बतलाया कि यह अपने को एकाग्रचित्त रखने की एक अच्छी विधि है। इसमें प्रथम - वंदना मारू , द्वितीय - सिद्धार्थ साबू ,

तृतीय - आकांक्षा साबू ,

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर हॉल मे आयोजित एक मिनट प्रतियोगिता के संयोजक आशीष भाला , नितेश सारडा, गौरव काबरा, उज्वल सोमानी ने मनोरंजन के साथ ही कार्य क्षमता की पहचान देते हुए खेल खिलाया ।

ग्रुप अ

प्रथम - हार्दिक सोमानी , द्वितीय - निकुंज सोमानी ,तृतीय - काव्या साबू

ग्रुप इ

प्रथम - नयन बोरा ,द्वितीय - रिया बोरा ,तृतीय - अनिकेत सोमानी

सांय 4:00 बजे से मारवाड़ी भवन में आयोजित समारोह में समाज के वरिष्ठ पुरुष एवं महिला सदस्यों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन मनोज कल्याणी ने किया ।

बृजबाला देवी सारडा, कंचन देवी सोढाणी, उषा देवी बियानी, शारदा देवी बियानी , सीता देवी जाजू , रामधन जाजू, राजकिशोर सोमानी, राज कुमार चितलांगिया , पुरुषोत्तम साबू, दाऊ लाल मोहता , अशोक बोड़ा, कृष्ण कुमार सोमानी , राजेंद्र होलानी , हरी प्रसाद साबू, कृष्ण कुमार साबू को श्रीफल देखकर एवं शॉल उढां कर सम्मानित किया गया एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया।

ओजस्वी प्रतिभा पुरस्कार समारोह मे दसवीं एवं बारहवीं के बच्चों को जिन्होंने 2026 में आयोजित बोर्ड की परीक्षा में 90% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं उनका सम्मान किया गया। मेधावी प्रतिभा सम्मान कक्षा 10वीं में शगुन माहेश्वरी , तान्या मंत्री , प्रीत करनानी,अनिकेत भाला , दिव्यांश साबू , शौर्य माहेश्वरी, प्रतिभा सम्मान कक्षा 12वीं में रियान सारडा, अन्वेषा साबू , मेहुल सारडा, शुभ होलानी, तनिष्क साबू , अदिति सोमानी, देवांश माहेश्वरी, सुनंद राठी, विहान साबू, अक्षिता सोमानी, तन्मय मंत्री सभी को स्मृति चिन्ह एवं सर्टिफिकेट

देकर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

महेश नवमी महोत्सव को सफल बनाने में माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी युवा संगठन एवं माहेश्वरी महिला समिति के सभी पदाधिकारियों के साथ संगठन एवं समाज के सभी सदस्य का योगदान रहा।

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 29 जून 2026

संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 14 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 285 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ प्रकृति की अगली परीक्षा में कितने सुरक्षित हैं हमारे शहर?

52 साल बाद गैलेक्सी अपार्टमेंट को अलविदा कहेंगे सलमान खान ? ◂◂ 6

लैंड सर्वे मामले में राजस्व सचिव दाखिल करे शपथ पत्रः हाईकोर्ट

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड के विभिन्न जिलों में लैंड सर्वे करने के मामले को लेकर दाखिल याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एस एम सोनक और न्यायाधीश राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई। जहां सुनवाई के दौरान आगामी 15 जुलाई तक सचिव को एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया है। दरअसल, सरकार के रवैये से कोर्ट ने नाराजगी जताई है। साथ ही कहा है कि मामले में अधिकारियों के द्वारा जवाब दाखिल होना मामले पर गंभीरता को दिखाता है।

50 साल बाद भी सर्वे नहीं होना डिस्ट्रेसिंग हैः सचिव की जगह लैंड एक्विजिशन डिपार्टमेंट ने जवाब दाखिल किया था। अदालत ने कहा कि 50 साल में भी झारखंड के जिलों का सर्व नहीं हो पाना डिस्ट्रेसिंग है। अदालत ने अगले सुनवाई में सबसीक्वेंट डेवलपमेंट पर जवाब दाखिल करने को कहा है। अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी।

रांचीः कुएं में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत, पसरा सन्नाटा

मेट्रो रेज

रांचीः जिले के अनगड़ थाना क्षेत्र के चन्द्राटोली में सोमवार सुबह 6 बजे एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां कुएं में डूबने से दो सगे भाइयों सुखराम मुंडा (42 वर्ष) और विनोद मुंडा (35 वर्ष) की मौत हो गई। इस दोहरे हादसे के बाद से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

भाई को बचाने की कोशिश में दोनों ने गंवाई जानः जानकारी के अनुसार, खेतों में सुबह फ्रैश होने के बाद छोटा भाई विनोद मुंडा कुएं से पानी निकालने गया था, इसी दौरान वह अनियंत्रित होकर कुएं में डूब गया। भाई को डूबता देख बड़े भाई सुखराम मुंडा ने उसे बचाने के लिए बिना सोचे-समझे कुएं में छलांग लगा दी। सुखराम ने अपने भाई को बचाने की काफी

मशक्कत की और उसे पानी के ऊपर तक खींच भी लाया था, लेकिन कुएं में पानी का स्तर अधिक होने के कारण वह उसे बाहर नहीं निकाल सका। अंततः दोनों भाइयों की कुएं में ही डूबने से मौत हो गई। बताया जाता है कि विनोद मुंडा पूर्व में मिर्गी का रोगी था और वह अविवाहित था। वह अपने बड़े भाई का बेहद प्रिय था।

मनरेगा से बना था कुआं, नहीं बना था मुंडेरः बताया गया कि जिस कुएं में यह हादसा हुआ उसकी गहराई करीब 30 फीट है, जिसमें 22-23 फीट पानी भरा हुआ था। इस सिंचाई कुप का निर्माण दो वर्ष पूर्व मृतकों के पिता बिरसा मुंडा ने मनरेगा योजना के तहत कराया था। यह घर से थोड़ी दूर पर है। कुएं का मुंडेर अभी तक नहीं बंधा था। ग्रामीणों के अनुसार, कूप निर्माण के बाद पुरी मिट्टी बैठ जाने के 1-2 साल बाद ही उसका मुंडेर बांधा जाता है, जो इस हादसे का एक मुख्य कारण बना।

पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया शव, मुआवजे की मांगः घटना के बाद पूर्व मुखिया मधुसूदन मुंडा की सूचना पर अनगड़ा थाना प्रभारी गौतम रजवार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से दोनों शवों को कुएं से बाहर निकाला और पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। इधर, पूर्व मुखिया मधुसूदन मुंडा ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए सरकार और स्थानीय प्रशासन से पीड़ित परिवार के आश्रितों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

छत्तीसगढ़ः एक शख्स पर शराब पिलाकर 8 लोगों की हत्या करने का आरोप

शवों को कब्र से निकालकर कराया गया पोस्टमॉर्टम

छत्तीसगढ़ः बलौदा बाजार-भाटापारा ज़िले के एक गांव में मामूली रंज़िशों और व्यक्तिगत शिकायतों के चलते जहर मिलाकर शराब पिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने गांव के आठ लोगों की हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया है।

पुलिस का दावा है कि अभियुक्त ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। इस मामले में अलग-अलग महीनों में मारे गए लोगों के शवों को कब्र से निकालकर उनका पोस्टमार्टम कराया गया था।

हालांकि, गांव के लोगों का आरोप है कि गड़ा धन पाने के लिए अभियुक्त ने इन हत्याओं को अंजाम दिया था। लेकिन पुलिस ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला है। अभियुक्त ने भी पूछताछ के दौरान इस तरह की कोई बात नहीं कही है।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा-

इतनी जल्दी सुनवाई की क्या आवश्यकता

अयोध्या/नई दिल्लीः अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा मामले में दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि मामले में इतनी जल्द सुनवाई की आवश्यकता क्या है। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिका पर छुट्टियों के बाद नियमित पीठ के समक्ष सुनवाई की जाएगी।

याचिका में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में चढ़ावे के धन के कथित दुरुपयोग की जांच कराने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने इस मामले में एफआईआर दर्ज

करने के साथ-साथ कोर्ट की निगरानी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर जांच कराने की मांग की है। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि जांच के लिए समय-सीमा तय की जाए, ताकि मामले का जल्द निष्पादन हो सके। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की अपील की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल ऐसी कोई असाधारण परिस्थिति नहीं है, जिसके कारण तत्काल सुनवाई आवश्यक हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले को न्यायालय की छुट्टियों के बाद नियमित बेंच के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा।

रोहित उरांव ने मांगा तीन सप्ताह का समय, मामला ईडी के विचाराधीन

मेट्रो रेज

रांची : तत्कालीन वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव ने ईडी से तीन सप्ताह का समय मांगा है। लेकिन ईडी ने रोहित के अनुरोध पर अब तक कोई फैसला नहीं किया है। मामला शीर्ष स्तर पर विचाराधीन है।

उल्लेखनीय है कि ईडी ने शराब घोटाले की जांच के दौरान तत्कालीन मंत्री रामेश्वर उरांव और बेटे रोहित उरांव को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था। रोहित को 29 जून और रामेश्वर उरांव को 30 जून को हाजिर होने के लिए समन जारी किया गया था। रोहित को 29 जुलाई को दिन के 11 बजे तक रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होना के लिए समय दिया गया था। लेकिन रोहित ने पूछताछ के लिए हाजिर होने के बदले ईडी से समय मांगा।

रोहित ने ईडी से तीन सप्ताह का समय मांगा है। रोहित के इस अनुरोध पर ईडी ने अब तक कोई फैसला नहीं किया है। रोहित और रामेश्वर उरांव को योगेंद्र तिवारी को मिले शराब के थोक व्यापार के दौरान हुए घोटाले में आगे की पूछताछ के लिए समन भेजा था। रोहित ने शराब के व्यापार के लिए एक कंपनी से एग्रिमेंट किया था। इसमें पैसों का लेनदेन हुआ था।

सीबीएसई ने थ्री लैंग्वेज पॉलिसी पर 10वीं और जूनियर क्लास के छात्रों को दी बड़ी राहत

नई दिल्लीः केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत स्कूलों में तीन-भाषा नीति को लागू करने के संबंध में नई गाइडलाइन जारी की है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में कक्षा 10वीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों पर इस नीति का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और वे पहले से निर्धारित पाठ्यक्रम एवं परीक्षा प्रणाली के अनुसार ही बोर्ड परीक्षा देंगे।

सीबीएसई के इस फैसले से बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि उन्हें किसी अतिरिक्त भाषा या नए परीक्षा पैटर्न का सामना नहीं करना होगा।

कक्षा 7 से 9 तक के छात्रों के लिए भी राहतः बोर्ड ने वर्तमान में कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में अध्ययनरत छात्रों के लिए भी संक्रमणकालीन व्यवस्था (ट्रांजिशन) तय की है। नई गाइडलाइन के अनुसार, जब ये विद्यार्थी भविष्य में कक्षा 10वीं में पहुंचेंगे, तब उन्हें तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी।

इस फैसले का उद्देश्य नई शिक्षा नीति को चरणबद्ध तरीके से लागू करना है, ताकि छात्रों पर अचानक अतिरिक्त शैक्षणिक दबाव न पड़े।

दो विदेशी भाषाएं पढ़ने वाले छात्रों के लिए नया प्रावधानः सीबीएसई ने उन विद्यार्थियों के लिए भी विशेष व्यवस्था की है,

जिन्होंने पहले से दो विदेशी भाषाओं का चयन किया हुआ है। ऐसे छात्र अपनी दोनों विदेशी भाषाओं की पढ़ाई जारी रख सकेंगे, लेकिन इसके साथ उन्हें एक भारतीय भाषा भी अनिवार्य रूप से पढ़नी होगी।

बोर्ड का मानना है कि इस व्यवस्था से भारतीय भाषाओं को बढ़ावा मिलेगा और छात्रों को अपनी भाषाई एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

चरणबद्ध तरीके से लागू होगी नई व्यवस्थाः सीबीएसई ने कहा है कि तीन-भाषा नीति को लागू करने के दौरान छात्रों और शिक्षकों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए आवश्यक अध्ययन सामग्री और शिक्षण संसाधन समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जाएंगे। कक्षा और आयु के अनुसार तैयार किए गए पाठ्यसामग्री का उपयोग कर भाषा शिक्षण को अधिक सरल, रोचक और प्रभावी बनाया जाएगा।

छात्रों पर नहीं बढ़ेगा अतिरिक्त परीक्षा का बोझः बोर्ड का कहना है कि नई व्यवस्था का उद्देश्य छात्रों पर अतिरिक्त परीक्षा का दबाव डालना नहीं, बल्कि उन्हें बहुभाषी शिक्षा से जोड़ना है। इसलिए संक्रमण काल में बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विशेष सावधानी बरती गई है, ताकि विद्यार्थी बिना किसी भ्रम या तनाव के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

सीबीएसई की इस गाइडलाइन को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। साथ ही, बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में नीति के पूर्ण क्रियान्वयन से पहले स्कूलों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को पर्याप्त समय और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

जयपुर में काल बनकर गिरी निर्माणाधीन दीवार, मलबे में दबने से 3 मजदूरों की मौत

जयपुर : राजस्थान की राजधानी जयपुर के चंदवाजी इलाके में सोमवार (29 जून) को एक बेहद खौफनाक हादसा सामने आया है। यहां ताला मोड़ के पास स्थित अरावली पैलेस में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान एक निर्माणाधीन दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में मौके पर काम कर रहे कई मजदूर भारी मलबे के नीचे दब गए, जिनमें से 3 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं, कई अन्य मजदूर गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं, जिन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। फिलहाल मौके पर पुलिस और प्रशासन का राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और मलबे में दबे अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

बिहार और झारखंड के रहने वाले हैं मजदूरः प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इस जानलेवा हादसे का शिकार हुए मजदूर मूल रूप से झारखंड और बिहार के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जो यहां रोजी-रोटी कमाने के लिए आए थे। आपदा राहत दल (रेस्क्यू टीम) ने कड़ी मशक्कत के बाद अब तक तीनों अभागे मजदूरों के शव मलबे से बाहर निकाल लिए हैं। मौके पर भारी अफरा-तफरी का माहौल है और स्थानीय प्रशासन मशीनों की मदद से तेजी से मलबा हटाने में जुटा हुआ है ताकि अगर कोई और मजदूर अंदर फंसा हो, तो उसे सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।

अमेरिका-ईरान तनाव कम करने पर सहमत होर्मुज स्ट्रेट पर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं

वॉशिंगटनः अमेरिका और ईरान के बीच हालिया सैन्य हमलों के बाद दोनों पक्षों ने फिलहाल तनाव कम करने पर सहमति जताई है। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि दोनों पक्ष फिलहाल पीछे हटेंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही जारी रहेगी। इस संबंध में ईरान की ओर से अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सीएनएन के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच एक अंतरिम व्यवस्था लागू है और जहाजों की आवाजाही में बाधा नहीं आएगी। होर्मुज में वास्तविक स्थिति अभी भी सामान्य नहीं दिख रही है,

जिससे वाणिज्यिक जहाजों के संचालकों और चालक दल के बीच अनिश्चितता और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बनी हुई हैं।

उल्लेखनीय है कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दावा किया कि अमेरिका द्वारा ईरानी ठिकानों पर हमले किये जाने के बाद उसने कुवैत और बहरीन सहित पड़ोसी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इससे पहले होर्मुज में आवाजाही के कारण अमेरिका-ईरान के बीच हमलों का आदान-प्रदान हुआ था। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान के साथ तकनीकी स्तर की वार्ता निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले चेतावनी दे चुके हैं कि यदि ईरान की ओर से हमले जारी रहे तो अमेरिका और सैन्य कार्रवाई करेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि क्षेत्र के देशों को अपनी भूमि अथवा सुविधाओं का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हमलों के लिए नहीं होने देना चाहिये।

पुणे रेप-मर्डर केसः 3 साल की मासूम से दरिंदगी करने वाले 65 साल के आरोपी को कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा

39 मिनट की हैवानियत, 18 जख्म और 59 दिन में इंसाफ

पुणे (एजेंसी) : महाराष्ट्र के पुणे में एक स्पेशल कोर्ट ने तीन साल की मासूम बच्ची से रेप और उसकी हत्या करने वाले 65 वर्षीय आरोपी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई है। मामला पुणे जिले के नसरापुर गांव का है। कोर्ट ने कहा कि अपराध बहुत गंभीर है और आरोपी की नीयत भी बहुत खराब थी, इसलिए उसे मौत की सजा दी जाती है।

बता दें कि यह घटना 1 मई 2026 को पेश आई थी। आरोपी भीमराव कांबले तीन साल की बच्ची को स्नैक्स देने और नया

बछड़ा दिखाने के बहाने उसे अपने साथ ले गया था। आरोपी बच्ची को मवेशियों के बाड़े के पास एक शेड में ले गया, जहां पहले उसने उसके साथ रेप किया और फिर उसकी हत्या कर दी। इस घटना के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा था और लोग सड़कों पर उतर आए थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया गया। घटना के 8 दिन के भीतर ही कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दे दिया। कोर्ट ने आरोपी को रेप और हत्या को दोषी पाया। सरकारी वकील ने बताया कि बच्ची के साथ करीब 39 मिनट तक लगातार अत्याचार किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्ची के शरीर पर 18 चोटों के निशान मिले थे। रेप के अलावा और भी तरह से शारीरिक शोषण किया गया था। आरोपी का डीएनए भी बच्ची के शरीर पर मिला था।

कोर्ट ने सीसीटीव फुटेज, डीएनए जांच और मेडिकल सबूतों को आधार बनाया। इस मामले में कुल 82 गवाहों ने अपनी गवाही दी थी। दोषी पाए जाने के बाद कोर्ट ने सजा पर फैसला लेने के लिए अलग से सुनवाई की। इस दौरान बच्ची के पिता ने भी कोर्ट से सख्त सजा देने की मांग की थी।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

अल नीनो प्रभाव: कृषि से जुड़ी गंभीर चेतावनी

अब तक देश में सामान्य से 43 फीसदी कम बरसात होने के चिंताजनक संकेत खुद कृषि मंत्रालय ने दिए हैं कि यही स्थिति बनी रही तो 315 जिलों में खेती प्रभावित हो सकती है। मानसून की यह सुस्त शुरूआत केवल मौसम का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह कृषि, अर्थव्यवस्था और महंगाई से जुड़ी गंभीर चेतावनी भी है। यह तस्वीर तो तब सामने आई है, जब वैश्विक मौसम एजेंसियों का अनुमान आने वाले महीनों में अल नीनो का प्रभाव काफी मजबूत रहने का है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का प्रत्यक्ष योगदान भले ही सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अपेक्षाकृत कम दिखाई देता हो, लेकिन ग्रामीण आय, उपभोग, रोजगार और खाद्य सुरक्षा का बड़ा आधार खेती ही है। मानसून की कमजोरी का असर खेतों से निकलकर बाजारों, उद्योगों और आम लोगों की रसोई तक पहुंचता है। मानसून 4 जून को केरल पहुंचा और इसके बाद उसकी गति भी धीमी पड़ गई। उत्तर-पश्चिमी शुष्क हवाओं ने मानसून को कमजोर किया, जबकि बादलों और नमी को सक्रिय करने वाली मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन (एमजेओ) प्रणाली भी अपेक्षित रूप से प्रभावी नहीं रही। हालांकि अब मानसून ने कुछ गति पकड़ी है, लेकिन जून में वर्षा की भारी कमी भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं देती। इतिहास बताता है कि 2015-16 और 2023-24 के मजबूत अल नीनो ने सूखे जैसी परिस्थितियां पैदा की थीं। इस बार भी ऐसा हुआ तो खरीफ के साथ-साथ रबी फसलें भी प्रभावित हो सकती हैं। अल नीनो केवल वर्षा ही कम नहीं करता, बल्कि तापमान भी बढ़ाता है, जिससे फसलों पर दोहरा दबाव पड़ता है। फिलहाल देश के लिए राहत की बात यह है कि यह संकट दो अच्छे मानसूनी वर्षों के बाद सामने आया है। इससे गेहूं, चावल, मक्का, गन्ना, सोयाबीन, तिलहन जैसी फसलों का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। पर्याप्त भंडार होने के कारण खाद्य महंगाई अभी नियंत्रण में है। लेकिन यह सुरक्षा कवच स्थायी नहीं है। यदि खरीफ और रबी दोनों मौसमों की फसलें प्रभावित हुईं, तो आने वाले समय में खाद्यान्न आपूर्ति और कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। सीधा असर ग्रामीण आय पर पड़ेगा और इससे उपभोग घट सकता है। बाजार की कमजोरी अंततः औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक वृद्धि को भी प्रभावित करेगी। ऐसी स्थिति में सरकार को पूर्व-तैयारी आधारित नीति अपनानी होगी। प्रभावित किसानों को त्वरित बीमा भुगतान, फसल सर्वेक्षण और राहत उपलब्ध करानी चाहिए। खाद्यान्न आपूर्ति को संतुलित बनाए रखने के लिए आयात के विकल्प भी खुले रखने होंगे। इसके साथ ही 1 जुलाई से शुरू होने वाली वीबी-जीआरएएम ग्रामीण रोजगार योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर ग्रामीण आय को सहारा देना होगा। यह समय सतर्क और दूरदर्शी निर्णय लेने का है। समय रहते कदम उठाना ही संकट से बचने के प्रभावी उपाय होंगे।

कानून के सख्त पालना से ही रुकेगी बंधुआ मजदूरी

उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरपुर के एक गांव में मुक्त कराए बंधुआ मजदूरों की पीड़ा सचमुच दिल दहलाने वाली है। पत्तल-दोने बनाने के कारखाने में जितना मेहनताना देने का भरोसा देकर इन मजदूरों को काम पर रखा गया, वह देना तो दूर की बात रही। बल्कि महज एक बार सूखी रोटी देने, मारपीट करने व भागने का प्रयास करने पर खतरनाक पिटबुल डॉग पीछे छोड़ने का कृत्य भी किया जो संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा। कमजोर तबके को आर्थिक और शारीरिक शोषण से रोकने के लिए बने सख्त कानून-कायदों के बावजूद आजाद भारत में बंधुआ मजदूरी जारी रहने के ऐसे मामले चिंतित करने वाले हैं। बंधुआ मजदूरी के ऐसे मामले जब भी सामने आते हैं तो यह सवाल जरूर सामने आता है कि आजादी के सात दशक बीत जाने के बावजूद आखिर मजदूरों का यह शोषण क्यों जारी है?

जाहिर है कि अशिक्षा और गरीबी दोनों का चक्र बड़ी सामाजिक विषमता के रूप में सामने आ रहा है। बंधुआ मजदूरी की ऐसी पीड़ाजनक तस्वीरें देश के हर हिस्से में गाहे-बगाहे सामने आती रहती है। मुजफ्फरपुर के गांव में जिन श्रमिकों को पुलिस और श्रम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में मुक्त कराया गया, वे राजस्थान, बिहार व हरियाणा से लाए गए थे। ऊंची मजदूरी का झांसा देकर लाए गए इन श्रमिकों को आपस में बात तक नहीं करने दिया जाता था। इनकी घर वापसी की उम्मीदें तक टूट गई थीं। यह सच है कि परिवारों को जब आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है तो मनमानी शर्तों पर काम करना मजबूरी बन जाता है। सरकारें गरीब और कमजोर परिवारों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक संबल प्रदान करने के दावे तो करती है लेकिन इनका फायदा सब तक पहुंच ही नहीं पाता। बंधुआ मजदूरी के दंश से छुटकारा पाने वाले श्रमिक फिर ऐसे भंवर में नहीं फंसेंगे, इसका बंदोबस्त उनके समुचित पुनर्वास से ही हो सकता है। बंधुआ मजदूरी से लेकर बालश्रम के खिलाफ कानून तो है लेकिन इनकी पालना को लेकर कितनी सख्ती होती है यह जगजाहिर है। कहीं से कोई शिकायत आ जाए तो अलग बात है अन्यथा सब कुछ शासन-प्रशासन की नाक के नीचे होता है।

बंधुआ बनाकर मजदूरी कराना व बच्चों से मजदूरी कराने के साथ उनसे अमानवीय बर्ताव करना तो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यह सीधा मानवाधिकारों के हनन करने वाला कृत्य भी है। ऐसे में दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ितों को त्वरित राहत इस दंश से एक हद तक छुटकारा दिलाने वाली हो सकती है। आजाद भारत में भी गुलामी की ऐसी जंजीरें किसी को भी बांधती नजर आए तो यह शासन-प्रशासन की विफलता ही कही जाएगी। श्रम कानूनों को कठोरता से लागू किया जाए इसके लिए प्रशासनिक उदासीनता तो दूर करने की जरूरत है ही, सरकारों को भी इच्छाशक्ति दिखानी होगी।

प्रकृति की अगली परीक्षा में कितने सुरक्षित हैं हमारे शहर?

'वेनेजुएला में आए भीषण भूकम्प ने पूरी दुनिया को फिर याद दिलाया है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी भी दस्तक दे सकती हैं। भारत भी भूकम्प, बाढ़ और भूस्खलन जैसी त्रासदियों का लंबा इतिहास रखता है। ऐसे में समय की मांग है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल ऊंची इमारतें नहीं बल्कि सुरक्षित शहर, मजबूत निर्माण व्यवस्था और आपदा के लिए तैयार समाज होना चाहिए।'

राकेश गांधी

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं?यह हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं या पहाड़ दरकते हैं, तब विकास के बड़े-बड़े दावे भी कुछ ही पलों में बिखर जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं बल्कि उसकी तैयारी होती है।

इस बार एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम लगता है लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन सकते हैं। स्पष्ट है कि विज्ञान इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे चेतावनी तंत्र को और अधिक सटीक, तेज और व्यापक बनाया जाए।

भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश भी भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रखता है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकंप 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी तथा हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। इन घटनाओं का एक ही संदेश है कि प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह नहीं बता सकते कि किस दिन और किस समय भूकम्प आएगा। लेकिन वे वर्षों से यह अवश्य बता रहे हैं कि भारत का बड़ा हिस्सा भूकम्पीय दृष्टि से संवेदनशील है। देश का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। इसका अर्थ यह है कि भविष्यवाणी भले संभव न हो, लेकिन पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है।

यहीं से एक और सवाल उभरता है। आज देश के लगभग हर शहर में कांक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन और ऊंचे टावर विकास की नई पहचान बन चुके हैं। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से यह पूछा कि इन इमारतों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के लिए भी? किसी भी भवन की असली परीक्षा उसके उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा उस दिन होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके तो वही वास्तविक विकास है।

भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं बल्कि उनके पालन की है। क्या हर बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुसार बन रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण पूरा होने के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन सवालों का जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं है तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण की गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर किया गया समझौता या लापरवाही अंततः निर्दोष नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

इस संदर्भ में सबसे बड़ी जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर विकास न्यासों, नगर निगमों और भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की बनती है। किसी भी बहुमंजिला भवन को अनुमति देते समय केवल नक्शा और कागजी औपचारिकताएं पूरी कर लेना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। अनुमति तभी मिले जब प्रत्येक सुरक्षा मानक का पूरी ईमानदारी से पालन हुआ हो। विकास के नाम पर सुरक्षा से किया गया हर समझौता भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।

एक और सोच बदलने की आवश्यकता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि अमुक शहर में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया इसलिए वहां खतरा कम है। यह आत्मसंतोष खतरनाक हो सकता है। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जानता। जमीन के नीचे का शोर कब किस रूप में बाहर आएगा, इसका सटीक अनुमान किसी के पास नहीं है। इसलिए किसी क्षेत्र को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर पूरी तरह सुरक्षित मान लेना एक बड़ी भूल हो सकती है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी निर्माण और नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। आने वाले समय के शहर बहुस्तरीय सुरक्षा की सोच के साथ ही सुरक्षित रह पाएंगे। अब समय आ गया है कि किसी भी बहुमंजिला भवन को उसकी ऊंचाई देखकर नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा परखकर अनुमति दी जाए।

इतना ही नहीं, पहले से बनी इमारतों का समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण भी आवश्यक है। अस्पताल, विद्यालय, सरकारी भवन, पुल, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिसरों का नियमित संरचनात्मक परीक्षण होना चाहिए। जहां कमजोरी मिले वहां समय रहते सुधार किया जाए। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने से कहीं अधिक बुद्धिमानी पहले से सुरक्षा पर निवेश करने में है।साथ ही नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित अभ्यास हों। आधुनिक चेतावनी प्रणाली गांवों तक पहुंचे। लोगों को यह पता हो कि संकट की पहली घड़ी में क्या करना है और क्या नहीं करना है। जागरूक समाज ही किसी भी आपदा के प्रभाव को कम कर सकता है।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती की परीक्षा लेती है। इसलिए अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा बदल दी जाए। विकसित भारत की पहचान सबसे ऊंची इमारतों से नहीं बल्कि सबसे सुरक्षित इमारतों, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन और सबसे सजग नागरिकों से होगी। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और एक जिम्मेदार शासन की पहचान है।

पश्चिम एशिया संकट की आंच भारतीय स्टार्टअप्स पर भी

'युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन सॉवरेन वेल्थ फंड्स का ध्यान अब विदेशी बाजारों में जोखिम भरे उद्यमों से हटकर अपनी घरेलू आर्थिक सुरक्षा, रक्षा बजट और घरेलू तरलता बनाए रखने पर केंद्रित हो गया है।'

राहुल लाल

भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पिछले 10 वर्षों में विश्व के सबसे गतिशील और नवाचार केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक के रूप में उभरा है। ऐतिहासिक रूप से भारत और पश्चिम एशिया के संबंध कच्चे तेल की आपूर्ति और प्रवासियों द्वारा भेजे जाने वाले रेमिटेंस तक सीमित माने जाते थे। परंतु बदलते आर्थिक परिदृश्य में भारतीय स्टार्टअप पश्चिम एशिया संकट की आंच को सीधे तौर पर महसूस कर रहा है।

वर्ष 2025 में भारतीय स्टार्टअप्स ने एक कठिन 'फंडिंग विंटर' से उबरते हुए लगभग 11 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया था, जिससे बाजार में सुधार की उम्मीदें बंधी थी। लेकिन वर्ष 2026 में पश्चिम एशिया संकट के गहराने से भारतीय स्टार्टअप के लिए फंडिंग का नया संकट उभर आया। भू राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशक सतर्क हो गए और वे काफी सोच समझकर निवेश कर रहे हैं। 1 मार्च से 15 जून 2026 के बीच स्टार्टअप फंडिंग पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 43 फीसदी घटकर 7.81 अरब डॉलर रह गई।

सबसे ज्यादा मंदी अंतिम चरण की डील्स में देखी गई, जहां फंडिंग 61 प्रतिशत घटकर 3.8 अरब डॉलर से 1.5 अरब डॉलर रह गई। प्रारंभिक चरण की फंडिंग भी 71.4 करोड़ डॉलर से घटकर 29.2 करोड़ डॉलर रह गई। पिछले कुछ वर्षों में खाड़ी देशों विशेषकर सऊदी अरब के पब्लिक इनवेस्टमेंट फंड (पीआईएफ) और संयुक्त अरब अमीरात के सॉवरेन वेल्थ फंड 'मुबाडाला' और 'अबूधाबी इनवेस्टमेंट अथॉरिटी (एआइडीए)' ने भारतीय स्टार्टअप्स में अरबों डॉलर का निवेश किया है। संकट के इस दौर में इन देशों की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन सॉवरेन वेल्थ फंड्स का ध्यान अब विदेशी बाजारों में जोखिम भरे उद्यमों से हटकर अपनी घरेलू आर्थिक सुरक्षा, रक्षा बजट और घरेलू तरलता बनाए रखने पर केंद्रित हो गया है। अनिश्चितता के माहौल में वैश्विक निवेशक 'रिस्क ऑफ' मोड में चले जाते हैं, जिसका सीधा असर भारत जैसे उभरते बाजारों पर पड़ता है।

पश्चिम एशिया संकट ने वैश्विक मुद्रास्फीति को बढ़ावा दिया है। परिणामतः अमेरिकी फेडरल रिजर्व और अन्य केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखना पड़ रहा है। पिछले सप्ताह ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने मुद्रास्फीति को काबू रखने के लिए ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखा है और इस वर्ष के अंत तक ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना है। जब विकसित देशों में ब्याज दरें ऊंची होती हैं, तो संस्थागत निवेशक विकासशील देशों के उच्च जोखिम वाले स्टार्टअप्स से पैसा निकालकर सुरक्षित बॉन्ड में निवेश करना बेहतर समझते हैं। इसे ही पूंजी की 'फ्लाइट टू सेफ्टी' कहते हैं। इस बहुआयामी संकट का सामने करने के लिए भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को एक विशिष्ट रणनीति की आवश्यकता है। समाधान केवल सरकार या केवल स्टार्टअप के स्तर पर नहीं, बल्कि दोनों के समन्वित प्रयास से ही संभव है। स्टार्टअप्स के लिए यह समझना आवश्यक है कि वित्तीय अनुशासन अब पहले से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्हें 'यूनीकॉर्न' बनने की होड़ को छोड़कर 'सस्टेनेबल मॉडल' अपनाना होगा, जो विपरीत परिस्थितियों में भी जीवित रह सके। केवल एक बाजार या भौगोलिक क्षेत्र पर निर्भर न रहकर राजस्व विविधीकरण पर बल देना होगा।

संवेदनाओं के प्रकार अनेक

श्रीश्री रवि शंकर

वेदनाओं का खेल तो सतत चलता रहता है। तनिक ध्यान से देखें तो अनुभव होगा कि शरीर के रोम-रोम में ऊर्जा प्रवाहित होती ही रहती है। और यह ऊर्जा प्रवाह एक नियमित ढंग से चलता है और उससे जीवन में एक संतुलन आता है। तभी यह भी अनुभव होता है कि मैं केवल शरीर या उसमें होने वाली संवेदनाएं मात्र ही नहीं हूं। मैं तो जन्म-जन्मांतर

चिंतन-मनन

इन संवेदनाओं की क्रिया-प्रतिक्रिया के झमेले में ही उलझा रहा। इस क्रम का साक्षी हो जाना ही मुक्ति है। भावनाओं और संवेदनाओं का साक्षी हो जाना उनसे पार हो जाना है। यही ज्ञान है कि वास्तव में यह सब क्या था? एक भाव आया, तदोनुसार शरीर में संवेदना हुई, उसने मन पर एक छाप अंकित कर दी, उससे एक और भाव उठा। बस यही क्रम चलता रहता है। इस तरह लालसा, घृणा, भाव, संवेदनाओं का चक्र हमारे सूक्ष्म और स्थूल दोनों शरीरों को प्रभावित कर जन्मों के चक्र में भटकता रहता है। प्रत्येक संवेदना का अपना स्वभाव, अपना गुण होता है। सुखद क्षणों में क्या होता है? सुखद संवेदनाओं की गति ऊपर की ओर होती है। दुखद क्षणों में उन्हीं संवेदनाओं की गति नीचे की ओर हो जाती है। सुखद संवेदना उत्साहित कर देती है, दुखद संवेदना हतोत्साहित कर देती है। जरा ध्यान से देखो जब शक्ति क्षीण हो रही होती है तो दुखद संवेदना घट रही होती है, सिर चकराने लगता है, कुछ सूझता नहीं। शरीर को ध्यान से देखें तो इसमें सुखद और दुखद संवेदनाओं का होना स्पष्ट अनुभव होगा। देखते-देखते वे संवेदनाएं विलीन भी हो जाती हैं। इन संवेदनाओं से परिचित हो जाना ज्ञान प्राप्ति अथवा बुद्धत्व नहीं। कई लोग यहां वहां कई तरह की कुंडलिनी क्रियाएं करने जाते हैं। कई लोग यहां वहां ऊर्जा चक्रों को जगाने जाते हैं। इन सब से क्या होता है? यह सब केवल संवेदनाओं का खेल है। यह ऐक्यूपंक्चर की विधि से भी घट सकता है। डाक्टर कुछ विशेष केंद्रों पर सूई लगाते हैं, रोगी चीखता-चिल्लाता है, ऊर्जा का प्रवाह ऊपर नीचे होता है। इसका इतना ही उपयोग है कि आपको शरीर में शक्ति मिलती लगती है, मन कुछ क्षणों के लिए वर्तमान में आ जाता है। बस इससे अधिक नहीं। इससे अपना, आत्मा का, ब्रह्म का भीतर के अनंत आकाश का जो शून्य है और पूर्ण भी, उसका बोध नहीं होता।

आपके पत्र

अग्नि-जाल में फंसते शहरी भवन

भारत आज विश्व के सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाले देशों में शामिल है। आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर निरंतर हो रहे पलायन ने भारतीय शहरों का स्वरूप तेजी से बदला है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक बहुमंजिला इमारतें, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, होटल, अस्पताल और मिश्रित-उपयोग वाले भवन विकास के नए प्रतीक बनकर उभरे हैं। किंतु इस विकास के पीछे एक गंभीर सच्चाई भी छिपी है- शहरी नियोजन की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और प्रशासनिक शिथिलता। परिणामस्वरूप आज अनेक शहरी भवन आर्थिक प्रगति के केंद्र होने के साथ-साथ संभावित अग्नि-जाल भी बनते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में हुई अग्नि-दुर्घटनाओं ने इस संकट की भयावहता को उजागर किया है।

दिनेश शुक्ला,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

हजारीबाग में कल भाकपा की होगा विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन

हजारीबाग : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की हजारीबाग जिला इकाई आगामी 30 जून 2026 को नगर भवन में एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। इस कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा, राज्यसभा सांसद पी संतोष और पूर्व सांसद नागेंद्र नाथ ओझा मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे।
कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने के लिए पार्टी की तैयारी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय मंजूर भवन में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न प्रखंडों और जन संगठनों के प्रतिनिधियों को अधिक से अधिक संख्या में लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इससे पूर्व वरिष्ठ नेता मजीद अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित जिला कमेटी की बैठक में राज्य परिषद के सदस्य एवं मजदूर नेता रामस्वरूप पासवान और एनुल होदा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। बैठक के दौरान मजदूर नेता रामनरेश कुमार की बरसी के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर उनके द्वारा छोड़े गए अधूरे कार्यों को पूरा करने का संकल्प लिया गया। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए पार्टी ने विस्तृत कार्यक्रम तय किया है। 30 जून कोदोपहर 12:00 बजे सिदो-कान्हू प्रतिमा पीडब्ल्यूडी चौक पर माल्यार्पण, दोपहर 12:10 बजे बिरसा मुंडा प्रतिमा बस स्टैंड पर माल्यार्पण,दोपहर 12:20 बजे डॉ आंबेडकर प्रतिमा डिस्ट्रिक्ट मोड़ पर माल्यार्पण का कार्यक्रम आयोजित है। दोपहर 01:00 बजे से नगर भवन में मुख्य कार्यकर्ता सम्मेलन एवं जुलूस निकाला जाएगा।
बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक, जिला सचिव अनिरुद्ध कुमार, सहायक सचिव डॉ. अनवर हुसैन, प्रवीण मेहता, गुलाम जिलानी, महेंद्र राम, शंभू कुमार, मुख्तार अंसारी, अवध कुमार, अब्दुल जिलानी, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद रफीक, प्रणव चक्रवर्ती, रहमत हुसैन, राजकुमार राम, चंदा राम, अशोक कुमार मेहता, घनश्याम भुईया, तसव्वर हुसैन, अर्जुन राम, मजीद अंसारी और निजाम सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। यह जानकारी सहायक सचिव डॉ अनवर हुसैन ने दी।

पिस्टल दिखाकर ट्रेन में यात्रियों को डरा-धमका रहा था शख्स, गिरफ्तार

कोडरमा : हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12874 में यात्रियों को पिस्टल दिखाकर धमका रहे एक युवक को कोडरमा रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया है. जीआरपी और आरपीएफ ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की है. आरोपी के पास से लोडेड पिस्टल और 24 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं.
कोडरमा जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी शराब के नशे में धुत था और ट्रेन में यात्रियों को पिस्टल दिखाकर डराने-धमकाने की शिकायत मिली थी. सूचना मिलते ही पुलिस ने कोडरमा स्टेशन पर आरोपी को ट्रेन से उतारकर गिरफ्तार कर लिया. तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक पिस्टल, मैगजीन में लोड 6 जिंदा कारतूस और पाउच में रखे 18 अतिरिक्त कारतूस बरामद किए गए हैं.
गिरफ्तार आरोपी का नाम दिवाकर सिंह है और वह उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिला अंतर्गत महेशगंज थाना क्षेत्र के रायपुर का निवासी है. आरोपी ने जीआरपी और आरपीएफ को पूछताछ में बताया कि वह प्रयागराज से रांची जा रहा था और सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है. कार्रवाई के दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने की भी कोशिश की. जिसके बाद जीआरपी ने उसके खिलाफ बीएनएस, रेलवे एक्ट और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है.

तीन दिवसीय डेंटल इम्प्लांट कोर्स का चिकित्सकों को मिला प्रमाणपत्र

हजारीबाग : हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल के प्रोस्थोडॉन्टिक्स एवं क्राउन एंड ब्रिज विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दया शंकर के नेतृत्व में रांची के कांटाटोली स्थित स्थेटिक्स में तीन दिवसीय डेंटल इम्प्लांट कोर्स सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में हजारीबाग एवं रांची के कई बीडीएस चिकित्सकों ने आधुनिक डेंटल इम्प्लांट तकनीकों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास एवं उप-प्राचार्य डॉ. अंकुर भार्गव ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि बदलती तकनीकों के अनुरूप चिकित्सकों के लिए समय-समय पर कौशल उन्नयन आवश्यक है, ताकि मरीजों को बेहतर उपचार मिल सके। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। डॉ दया शंकर ने बताया कि प्रशिक्षण में इम्प्लांट तकनीक, उपचार योजना, सर्जिकल प्रोटोकॉल एवं प्रैक्टिकल अभ्यास पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम दंत चिकित्सा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।हजारीबाग पी2-तीन दिवसीय डेंटल इम्प्लांट प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागी बीडीएस चिकित्सकों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित करते।

70-80 लाख रुपये का 935 कार्टून शराब बरामद, ट्रक चालक को भेजा गया न्यायिक हिरासत में

बरकट्ठा : बरकट्ठा के झुरझुरी स्थित झारखंड होटल के समीप शराब से लदे ट्रक बरामद मामले में बरही एसडीपीओ आरपी किशोर ने बरकट्ठा थाना में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि बरामद अवैध अंग्रेजी शराब करीब 70 से 80 लाख रुपये का है। उन्होंने बताया कि मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो पटना से पुलिस अधीक्षक और बरही एसडीपीओ को सूचना मिली। तत्काल छापामारी टीम का गठन कर उक्त होटल के पास खड़ा ट्रक यूके 18 सीए 6133 की तलाशी ली गई।
शराब बरामदगी का विवरण : तलाशी के क्रम में ट्रक में अंग्रेजी शराब इम्पीरियल ब्लू 935 कार्टून में 33 हजार 240 बोतल में पैक 3888 लीटर शराब लदा पाया गया। सभी शराब के बोतल में मोहाली, पंजाब का स्टिकर लगा हुआ है। ट्रक को जब्त करते हुए पुलिस टीम ने चालक दलजीत सिंह (38) पिता हरभजन सिंह, ग्राम सुभाष कॉलोनी, रुद्रपुर जिला उद्यम सिंह, उत्तराखंड को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज गया। एसडीपीओ ने बताया कि वहां से शराब यहां तक कैसे पहुंची। इसकी जांच की जा रही है।
पुलिस की कार्रवाई : शराब का डंप कौन और कहां किया जाता है। इसकी भी जांच की जा रही है। छापेमारी टीम में पुलिस निरीक्षक इमदाद अंसारी, थानाप्रभारी आशीष कुमार भगत, एसआइ देवदत्त कुमार सिंह, एसआइ खालिद इकबाल समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

गोलढाब-चुआर दियारा में सोलर रोशनी, स्वास्थ्य एवं पेयजल व्यवस्था होगी सुदृढ़ : विधायक

विधायक व उपायुक्त नाव से पहुंचे सुदूरवर्ती दियारा क्षेत्र ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर विकास योजनाओं का दिया भरोसा

संवाददाता
साहिबगंज/उधवा: राजमहल विधायक मो.ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा एवं साहिबगंज के उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने रविवार को उधवा प्रखंड की दक्षिण पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत सुदूरवर्ती गोलढाब-चुआर दियारा क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया।
मुखिया ने रखीं क्षेत्र की प्रमुख समस्याएं
दक्षिण पलाशगाछी पंचायत की मुखिया नफीसा खातून एवं ग्रामीणों ने बाढ़ राहत चबूतरा निर्माण, संभावित बाढ़ से निपटने की पूर्व तैयारी, बाढ़ के दौरान मवेशियों की सुरक्षा की व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर संस्थागत प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराने, पेयजल व्यवस्था में सुधार, सोलर हाईमास्ट एवं सोलर लाइट लगाने तथा सड़क निर्माण की मांग प्रशासन के समक्ष रखी।जबकि विधायक एमटी राजा ने कहा कि गोलढाब-चुआर जैसे सुदूरवर्ती दियारा क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना, पर्याप्त सोलर युक्त रोशनी उपलब्ध कराना, पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करना और बाढ़ राहत की समुचित प्रशासनिक तैयारी सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इन सभी कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा।
पहली बार नाव से दियारा पहुंचे उपायुक्त
विधायक ने जताया आभार
विधायक ने उपायुक्त दीपक कुमार दुबे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहली बार जिले के उपायुक्त नाव के माध्यम से गोलढाब-चुआर जैसे सुदूरवर्ती दियारा क्षेत्र में पहुंचे हैं। इससे ग्रामीणों की समस्याओं का प्रत्यक्ष आकलन हुआ है और अब इनके समाधान की दिशा में तेजी से पहल होने की उम्मीद है।
सभी समस्याओं का होगा सूचीबद्ध समाधान उपायुक्त
उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र की जनसमस्याओं का स्वयं स्थल पर जाकर जायजा लिया है। सभी समस्याओं को सूचीबद्ध कर संबंधित विभागों के माध्यम से विकास योजनाएं तैयार कराई जाएंगी, ताकि जल्द से जल्द आवश्यक कार्य शुरू किए जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

पल्स पोलियो अभियान को घर-घर पहुंचाने में सहयोग करें और ताकि कोई बच्चा छूट न जाए : उपायुक्त

संवाददाता
साहिबगंज : जिला स्वास्थ्य समिति, साहिबगंज के तत्वावधान में 28 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान दो बूंद जिंदगी की का शुभारंभ उधवा प्रखंड के सुदूरवर्ती दियारा क्षेत्र स्थित पश्चिमी पलाशगाछी पंचायत के असराउल टोला में किया गया। अभियान का उद्देश्य जिले के शून्य से पाँच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर उन्हें पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित करना है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे एवं माननीय विधायक मो0 ताजुद्दीन उपस्थित रहे। साथ ही पंचायती राज व्यवस्था के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे । अतिथियों ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। अभिभावकों से अपने 5 साल तक के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की खुराक दिलाने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान अपर समाहर्ता विजय कुमार सिविल सर्जन डॉ० रामदेव पासवान अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहिया व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि 28 से 30 जून तक चलने वाले इस अभियान के दौरान अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाकर अभियान को सफल बनाएं। साथ ही उपायुक्त ने स्थानीय जनप्रतिनिधि से भी अपील है कि इस अभियान को घर-घर पहुंचाने में सहयोग करें ताकि कोई बच्चा छूट न जाए।

संगठन मजबूती सदस्यता अभियान पूर्व में किए गए कार्यों की चर्चा

संवाददाता
साहिबगंज : शहर के मछुआ समिति सोसाइटी समिति के प्रांगण में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के जिला कोषाध्यक्ष राकेश कुमार महतो की अध्यक्षता में बैठक किया गयाबैठक मे संगठन मजबूती सदस्यता अभियान पूर्व में किए गए कार्यों की चर्चा किया गया।बैठक मे केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा की संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक सदस्य को आर्थिक सदस्यता शुल्क देकर संगठन को मजबूत किया जायेगा।वही उन्होंने कहा कि पूर्व में 4 जून से लेकर 21 जून तक प्रखंड स्तरीय बैठक मे जिला के पदाधिकारी का सहयोग अपेक्षाकृत संतोष जनक नहीं रहा,तो फिर संगठन कैसे मजबूत होगा।वही आगामी 30 जून को वीर शहीद जननायक सिद्धू-कान्हू चांद भैरव की जयंती के शुभ अवसर पर झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव समेत कई पदाधिकारी द्वारा माला अर्पण करेंगे।बैठक मे अंसार खान,मिथुन कुमार यादव, रणधीर प्रसाद चौरसिया, मनोज सोरेन,फूल कुमारी देवी, शंकर यादव, मुन्ना यादव, विजय यादव,राजू रजक, मोहम्मद निजाम, रिंकू शेख, मुजीबुर रहमान सहित कई लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम

संवाददाता
साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज ग्रामीण मंडल मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में जिला में आए प्रवासी प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा अध्यक्ष,भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादव,जिला प्रभारी अमृत पाण्डे देश के सबसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के135वें एपिसोड मन की बात कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज ग्रामीण मंडल के शक्ति केंद्र गंगा प्रसाद पूरा मध्य 41 पर मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व में पूर्व जिला मंत्री मनोज कुमार यादव का आवास पर शक्ति केंद्र की संघात्मक बैठक की गई।बैठक उपरांत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत साहिबगंज ग्रामीण मंडल में एक पेड़ मां के नाम लगाया गया।जबकि साहिबगंज ग्रामीण मंडल के प्रखंड उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी,पवन यादव, निशा देवी,महामंत्री ओम प्रकाश पांडे, महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष सुनीता देवी,प्रखंड मंत्री किरण देवी,शक्ति केंद्र संयोजक कुंदन कुमार,पूर्व जिला मंत्री मनोज यादव,मनीष कुमार एससी मोर्चा का प्रखंड अध्यक्ष यशवंत,पूर्व कोषाध्यक्ष गोपाल साह,मंडल अध्यक्ष अरविंद गुप्ता, पासवान, पिंटू कुमार, सुनील कुमार यादव,मुरारी कुमार,पंकज कुमार चौधरी,कन्हाई मंडल,राबिन रिक्याशन,सियाराम मंडल,विनोद कुमार सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे।

अपार आईडी बनाने की समय सीमा तीन दिनों में होगी खत्म

हजारीबाग : ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) योजना के तहत जिले के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों का अपार आईडी बनाने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। हालांकि जिले में अब भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का अपार आईडी नहीं बन पाया है। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने में केवल कुछ दिन शेष हैं। इस तिथि तक सभी विद्यार्थियों का अपार आईडी बन पाना मुश्किल दिखाई दे रहा है। जिले के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में लगभग तीन लाख 40 हजार छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। इनमें से अब तक 1,87,466 विद्यार्थियों का ही अपार आईडी बनाया जा सका है। लगभग 65 हजार विद्यार्थियों के आधार कार्ड का सत्यापन पूरा हो चुका है। यह बनने के कगार पर है। इसके बावजूद काफी संख्या में विद्यार्थियों की प्रक्रिया अभी अधूरी है। जिले के 55 प्रतिशत छात्र-छात्राओं का अपार आइडी बन गया है, जबकि 45 प्रतिशत का बनना हैं। अपार आईडी एक 12 अंकों का डिजिटल पहचान संख्या है, जो विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शैक्षणिक पासपोर्ट की तरह कार्य करता है। इसके माध्यम से छात्रों का शैक्षणिक रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा तथा भविष्य में बोर्ड परीक्षाओं, छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षण संस्थानों में नामांकन और अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं में इसका उपयोग किया जाता है। हालांकि जिले में अपार आईडी बनाने की प्रक्रिया कई कारणों से प्रभावित हो रही है। सबसे बड़ी समस्या अभिभावकों की ओर से कंसेंट फॉर्म पर सहमति पत्र समय पर जमा नहीं करना है। कई अभिभावक अभी भी योजना की जानकारी से पूरी तरह अवगत नहीं हैं। जिसके कारण वे अपने बच्चों का फॉर्म भरकर विद्यालय में जमा नहीं कर रहे हैं। इससे विद्यालयों को प्रक्रिया आगे बढ़ाने में कठिनाई हो रही है। साथ ही बच्चों के नाम आधार और नामांकन पंजी से मेल नहीं खा रहा है। इसके अलावा अनेक विद्यालयों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या भी बड़ी बाधा बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में कमजोर नेटवर्क, सर्वर की धीमी गति तथा अन्य तकनीकी समस्याओं के कारण अपार आईडी बनाने का कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल पा रहा है। कई बार आधार सत्यापन और पोर्टल पर डेटा अपलोड करने में भी तकनीकी अड़चनें सामने आ रही हैं। शिक्षा विभाग की ओर से कई बार इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करने का निर्देश दिया गया है।

देवघर में दो दुकानों में लगी भीषण आग, 20 लाख से अधिक के नुकसान की आशंका

संवाददाता
देवघर : जिले के कुंडा थाना क्षेत्र स्थित कुंडा मोड़ पर रविवार अहले सुबह भीषण आग लगने से दो दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने दुकान मालिकों और अग्निशमन विभाग को इसकी जानकारी दी।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अग्निशमन विभाग की टीम करीब एक से डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंची, तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी और दूसरी दुकान को भी अपनी चपेट में ले चुकी थी। काफी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।
आग लगने से करीब 15 से 16 लाख रुपये का नुकसान
पहली दुकान 'उषा ट्रेड' के संचालक संजय कुमार ने बताया कि उनकी दुकान में हार्डवेयर और प्लाइवुड का सामान रखा था। प्लाइवुड होने के कारण आग तेजी से फैल गई और पूरा सामान जलकर राख हो गया। उनके अनुसार इस हादसे में करीब 15 से 16 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।
वहीं दूसरी दुकान 'शिव शक्ति स्टोर' के संचालक राजेश ने बताया कि उनकी दुकान में रखा पूरा सामान आग में नष्ट हो गया। उन्होंने भी कई लाख रुपये के नुकसान की बात कही। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग सुबह के समय लगी जब अधिकांश लोग सो रहे थे। लोगों ने बताया कि जब तक लोगों की नजर आग पर पड़ी, तब तक लपटें काफी तेज हो चुकी थीं। फिलहाल आग लगने का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, हालांकि शुरूआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

गदर 3 और पुष्पा 3 सहित बड़ी फिल्मों का तीसरा धमाका तैयार, बॉक्स ऑफिस पर फिर से मचेगा धमाल

भारतीय सिनेमा में सीक्वल हमेशा से पसंद किए जाते रहे हैं, लेकिन अब बात सिर्फ दूसरे पार्ट तक सीमित नहीं है। श्रीक्वल (तीसरी फिल्म) का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। फिलहाल बॉलीवुड में कई बड़ी फ्रेंचाइजी अपनी तीसरी फिल्म की तैयारी में हैं, जिनमें एक्शन, रोमांस और कॉमेडी सभी जॉनर शामिल हैं। इस लिस्ट में सनी देओल, अक्षय कुमार, राजकुमार राव और अल्लू अर्जुन जैसे बड़े सितारों की फिल्में भी शामिल हैं। चलिए आपको इन फिल्मों के बारे में बताते हैं।

गदर 3: गदर 3 को लेकर डायरेक्टर अनिल शर्मा ने कन्फर्म किया है कि फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। सनी देओल एक बार फिर तारा सिंह के रोल में नजर आएंगे। अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा की वापसी भी तय मानी जा रही है। फिलहाल रिलीज डेट फाइनल नहीं हुई है, लेकिन तैयारी तेजी से चल रही है।

बॉर्डर 3 : बॉर्डर 3 को आधिकारिक मंजूरी मिल चुकी है। भूषण कुमार और निधि दत्ता इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रहे हैं। सनी देओल एक बार फिर अहम किरदार निभाएंगे, जबकि इस बार वरुण धवन भी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बने हैं। फिल्म को लेकर प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है।

केजीएफः चैप्टर 3 : केजीएफ 3 की घोषणा हो चुकी है। होम्बाले फिल्म्स ने कन्फर्म किया है कि यश एक बार फिर रॉकी भाई के रूप में लौटेंगे। डायरेक्टर प्रशांत नील ने बताया कि स्क्रिप्ट तैयार है, लेकिन शूटिंग सही समय पर शुरू होगी।

पुष्पा 3: द रैम्पेज

पुष्पा 3 को लेकर भी ऑफिशियल कन्फर्मेशन मिल चुका है। डायरेक्टर सुकुमार ने बताया कि प्री-प्रोडक्शन शुरू हो गया है। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना फिर से नजर आएंगे। चर्चा है कि इस बार कहानी में नया विलेन भी देखने को मिल सकता है, लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

फिलहाल बॉलीवुड में कई बड़ी फ्रेंचाइजी अपनी तीसरी फिल्म की तैयारी में हैं, जिनमें एक्शन, रोमांस और कॉमेडी सभी जॉनर शामिल हैं। इस लिस्ट में सनी देओल, अक्षय कुमार, राजकुमार राव और अल्लू अर्जुन जैसे बड़े सितारों की फिल्में भी शामिल हैं। चलिए आपको इन फिल्मों के बारे में बताते हैं।

स्त्री 3 : स्त्री 3 की रिलीज डेट पहले ही तय कर दी गई है- 13 अगस्त 2027। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर इस बार भी लीड रोल में होंगे। अक्षय कुमार के कैमियो की भी उम्मीद जताई जा रही है।

दृश्यम 3 : दृश्यम 3 लगभग तैयार हो चुकी है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है और अब यह पोस्ट-प्रोडक्शन में है। इसकी रिलीज 2 अक्टूबर 2026 तय की गई है।अजय देवगन, तब्बू और श्रिया सरन फिर से अपने दमदार किरदारों में नजर आएंगे।

हेरा फेरी 3: हेरा फेरी 3 सबसे ज्यादा चर्चित और इमोशनल फ्रेंचाइजी है। लंबे विवादों और बदलावों के बाद अब फिल्म आगे बढ़ रही है। डायरेक्टर प्रियदर्शन ने साफ किया है कि 2026 में शूटिंग नहीं होगी, लेकिन 2027 में फिल्म रिलीज होने की उम्मीद है। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल हैं।

52 साल बाद गैलेक्सी अपार्टमेंट को अलविदा कहेंगे सलमान खान ? बांद्रा में बड़े प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी

खबरों के मुताबिक बॉलीवुड के भाईजान अब अपना नया आशियाना बदलने जा रहे हैं। आपको बता दें कि बांद्रा में संमदर के किनारे सलमान खान अब 6 मंजिला घर बनवाएंगे। भाई जान 1974 से इस घर में रह रहे हैं और अब जल्द ही वो अपना घर बदलने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार यह जगह उनकी मां के नाम पर रजिस्टर्ड है।

चिंबाई इलाके में बनेगा सलमान खान का नया घर : सलमान खान का यह नया घर घर बांद्रा के चिंबाई इलाके में बनेगा, नया घर उनके पुराने वाले से घर से ज्यादा दूर नहीं है। 1974 से भाई जान गैलेक्सी अपार्टमेंट्स में रह रहे हैं और इतने सालों बाद उन्होंने यह फैसला लिया है कि वो अपना घर शिफ्ट करेंगे।

सलमान खान की मां के नाम पर है नया घर : रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान जिस जमीन पर अपना नया घर बनवाएंगे वो उनकी मां के नाम पर रजिस्टर्ड है। आपको बता दें कि इस जगह पर पहले 1956 से पहले निर्मित एक दो मंजिला मकान मौजूद था। उसकी खराब स्थिति को देखते हुए खान परिवार ने इसे ढहा देने का फैसला किया। इस जगह अब बहुत ही लक्जरी इमारत बनाई जाएगी, जिसमें ग्राउंड फ्लोर, स्टिल्ट पार्किंग और छह मंजिलें होंगी। इसकी लम्बाई कुल 1,014 वर्ग मीटर है। अक्टूबर 2025 में ही इस प्रोजेक्ट की मंजूरी मिल गई थी। इसी के साथ मंजूरी में यह भी दावा किया गया है कि इस घर के निर्माण के दौरान कोई भी पेड़ काटा नहीं जाएगा। इसी के साथ बल्कि और भी ज्यादा नए पेड़ लगाए जाएंगे। इस नए घर की लोकेशन बहुत शांत है, अब वो पहले से ज्यादा शांत जगह पर रहेंगे। हालांकि अभी सलमान खान की तरफ से कोई भी ऑफिसियल ब्यान नहीं आया है।

मैसा के बीटीएस फोटो ने बढ़ाया क्रेज मेकर्स ने दिया दमदार एक्शन का संकेत

पैन इंडिया स्टार रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म मैसा की शूटिंग से जुड़ी एक बिहाइंड दि सीन्स (बीटीएस) तस्वीर सामने आई है, जिसमें मेकर्स ने फिल्म के एक्शन सीक्वेंस को लेकर बड़ा संकेत दिया है। वर्ष 2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल मैसा को पहली महिला-केंद्रित पैन इंडिया एक्शन थ्रिलर बताया जा रहा है। फिल्म में रश्मिका मंदाना अपने करियर के सबसे दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की घोषणा के बाद से ही मेकर्स समय-समय पर शूटिंग की झलकियां साझा कर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रहे हैं।

हाल ही में जारी बीटीएस तस्वीर में फिल्म के सिनेमैटोग्राफर की पीठ पर कीचड़ से बने हाथों के निशान दिखाई दे रहे हैं, जिन पर रश्मिका मंदाना के हस्ताक्षर भी हैं। इस तस्वीर के साथ मेकर्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि खून के निशान अब रास्ते में हैं। इससे फिल्म में दमदार एक्शन और हाई-इंटेंसिटी दृश्यों की झलक मिलने के संकेत माने जा रहे हैं। मेकर्स ने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी लिखा कि इस खूबसूरत कलाकारी में थोड़ा-सा खून और अंबर पाउडर भी मिला देना चाहिए था। अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनी और रविंद्र पुल्ले के निर्देशन में तैयार मैसा एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है, जिसकी कहानी आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। मेकर्स का दावा है कि फिल्म में दमदार विजुअल्स, रोमांचक कहानी और रश्मिका मंदाना का अब तक का सबसे यादगार एवं प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

4 महीने पहले घर पर हुई थी फायरिंग,अब रोहित शेट्टी को फिर मिली धमकी, कॉलर ने मांगे 20 करोड़

आये दिन किसी न किसी बड़े सितारे को जान से मारने की धमकी मिलती ही रहती है। अब फिर से बॉलीवुड डायरेक्टर रोहित शेट्टी को धमकी भरा एक ऑडियो कॉल आया है। खबरों को मुताबिक शनिवार सुबह उन्हें एक फोन आया, जिसमें कॉलर ने 20 करोड़ रुपए की डिमांड की है। इसी के साथ यह भी कहा है कि अगर मुंह मांगी रकम नहीं मिली तो अगला निशाना रोहित शेट्टी खुद होंगे। इस खबर के बाद हर जगह हड़कप मच गया है और रोहित शेट्टी की सिक्योरिटी भी बढ़ा दी गई है। इस कॉल के बाद पुलिस जांच में जुट गई है कि फोन कहा से आया है हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हुई है फोन किसने किया है।

20 करोड़ दो नहीं तो ...: खबरों के मुताबिक रोहित शेट्टी के पास एक ऑडियो कॉल आया, जिसमें सामने वाले ने रोहित से 20 करोड़ की मांग की है। यह घटना शनिवार सुबह की है और इससे 4 महीने पहले भी रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग हुई थी और अब इस कॉल से हर जगह परेशानी वाला माहौल बन गया है। 90 सेकेंड के इस क्लिप में कहा गया है कि यदि हमें पैसे न मिले तो अगला निशाना घर नहीं बल्कि रोहित खुद होंगे। इसके बाद तुरंत जुहू पुलिस में इस मामले की शिकायत दर्ज की गई।

बिश्नोई गैंग से जुड़ा है मामला : खबरों और रिपोर्ट्स के मुताबिक इस ऑडियो में जो आवाज है वो शुभम लोणकर की है। शुभम लोणकर वही आरोपी है, जिसकी 2024 में बाबा सिद्दीकी हत्याकांड और इसी साल की शुरूआत में रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले में तलाश की जा रही है। इस ऑडियो को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है।

4 महीने पहले रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई थी फायरिंगः यह पहली बार नहीं है इससे पहले फरवरी के महीने में भी रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग हुई थी और इस हमले की जिम्मेदारी खुद बिश्नोई गैंग ने ली थी। हालांकि जिस व्यक्ति ने इस दौरान फायरिंग की थी, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्रीतम एंड पेड्रो में फिर साथ आए राजकुमार हिरानी और अरशद वारसी

बॉलीवुड फिल्मकार राजकुमार हिरानी ने अपनी पहली ओटीटी सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो को लेकर अभिनेता अरशद वारसी के साथ अपनी दो दशक पुरानी रचनात्मक साझेदारी के अनुभव साझा किए हैं। करीब 20 साल बाद दोनों प्रीतम एंड पेड्रो में फिर साथ आए हैं, जिसमें अरशद वारसी एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इस सीरीज के जरिए राजकुमार हिरानी ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं। राजकुमार हिरानी ने कहा कि अरशद का अभिनय करने का तरीका बेहद अलग है और उनके इम्प्रोवाइजेशन ने मुन्ना भाई के कई यादगार दृश्यों को जन्म दिया। राजकुमार हिरानी ने बताया कि मुन्ना भाई एमबीबीएस की शूटिंग के पहले ही दिन उन्हें महसूस हुआ कि अरशद वारसी स्क्रिप्ट के अनुसार संवाद नहीं बोल रहे थे, बल्कि अपने अंदाज में बदलाव कर रहे थे। शुरूआत में उन्होंने अरशद से स्क्रिप्ट के मुताबिक संवाद बोलने को कहा, लेकिन दूसरा टेक पहले जितना प्रभावी नहीं लगा। तब उन्हें समझ आया कि अरशद का काम करने का अपना अलग और अनोखा तरीका है। अरशद वारसी ने कहा कि राजकुमार हिरानी उनकी जिंदगी पर गहरा प्रभाव डालने वाले लोगों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि दोनों हमेशा संपर्क में रहे और जब हिरानी ने इस प्रोजेक्ट के लिए फोन किया तो उन्हें बेहद खुशी हुई। हिरानी ने बताया कि प्रीतम एंड पेड्रो साइबर अपराध की दुनिया पर आधारित है और इसकी कहानी राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ अमित दुबे द्वारा साझा किए गए वास्तविक मामलों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि सीरीज में साइबर अपराध की वास्तविक कार्यप्रणाली और उसकी जांच को दिखाने का प्रयास किया गया है। अरशद वारसी ने बताया कि इस बार हिरानी की पटकथा इतनी सटीक थी कि उन्हें अपने प्रसिद्ध इम्प्रोवाइजेशन की बहुत कम जरूरत पड़ी।

भारत बनाम आयरलैंड टी20 सीरिज

आयरलैंड ने किया बड़ा उलटफेर, भारत को दूसरे टी-20 में हराकर रचा इतिहास

दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत को एक रन से हराकर जीता सीरीज

एजेंसी/बेलफास्टः आयरलैंड ने इतिहास रचते हुए पहली बार भारत को टी-20 सीरीज में हरा दिया। बेलफास्ट में रविवार को खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में मेजबान टीम ने भारत को एक रन से हराकर 2-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इसके साथ ही भारतीय टीम को लगभग तीन साल बाद टी-20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले साल 2023 में वेस्टइंडीज ने 3-2 से हराया था। बेलफास्ट में खेले गए मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। वैभव सूर्यवंशी को फिर डेब्यू का मौका नहीं मिला, जबकि सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव ने टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने दूसरे टी-20 में भारत को 155 रन का टारगेट दिया। टीम ने हैरी टेक्टर के अर्द्धशतक (53) की बदौलत 20 ओवर में 154 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने कुल 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 153 रन बनाए और मुकाबला एक रन हार गई। तिलक वर्मा ने टीम इंडिया के लिए सर्वाधिक 55 रन की पारी खेली। उनके अलावा हर्षित राणा ने 22 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे प्रिंस यादव ने तीन विकेट लिए।

स्टोक्स ने लिया संन्यास, कहा- ऐशेज में मिली हार के बाद मुझमें लड़ने की शक्ति नहीं बची थी

नॉटिंघम/एजेंसी: बेन स्टोक्स ने कहा है कि इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर बिताया गया उनका साढ़े चार साल का कार्यकाल उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान था, लेकिन इस जिम्मेदारी ने उन्हें भीतर तक थका दिया। पिछले ऐशेज दौरे में 4-1 की हार के बाद उन्हें महसूस हुआ कि अब उनके भीतर आगे लड़ते रहने की शक्ति नहीं बची है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के निर्णायक टेस्ट के चौथे दिन अपने संन्यास की घोषणा के बाद स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में स्टोक्स ने कहा कि यह एहसास उन्हें लॉर्ड्स टेस्ट से पहले ही हो गया था। उन्होंने कहा कि यह फैसला किसी एक घटना का नतीजा नहीं था, बल्कि लंबे समय से जमा हो रही मानसिक और शारीरिक थकान का परिणाम था।

स्टोक्स ने कहा, मैंने टीम की कप्तानी करते हुए मैदान पर बिताए हर पल का आनंद लिया। किसी खिलाड़ी के लिए अपने देश की कप्तानी करना सबसे बड़ा सम्मान होता है। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है जिसे लोग नहीं देख पाते। केवल आपके सबसे करीबी लोग ही समझ सकते हैं कि यह जिम्मेदारी आपको कितना थका देती है और कई बार नकारात्मक रूप से प्रभावित भी करती है। पिछले साढ़े चार सालों में मैंने हर पल का आनंद लिया, लेकिन कुछ पल दूसरों की तुलना में कहीं अधिक मुश्किल थे।

स्टोक्स ने स्वीकार किया कि इस पूरी गर्मियों में वह मानसिक रूप से संघर्ष कर रहे थे और लॉर्ड्स में मिली 115 रन की जीत के दौरान भी वह पूरी तरह सहज महसूस नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा, लॉर्ड्स टेस्ट ने मेरे करियर से जुड़ी कई नकारात्मक यादें फिर से ताजा कर दीं। ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद मैंने चीजों को सही करने के लिए बहुत मेहनत की। मुझे लगा कि मैं सही दिशा में जा रहा हूं, लेकिन शायद मैंने खुद को ही थका दिया। जब मैं लॉर्ड्स टेस्ट के सप्ताह में पहुंचा तो मेरे भीतर एक अजीब सा एहसास था। मैंने स्वयं को पूरा मौका दिया कि शायद यह केवल एक अस्थायी दौर हो, लेकिन कुछ ठीक नहीं लग रहा था। कल जब मैं बल्लेबाजी के लिए पैड पहन रहा था, तभी मुझे महसूस हो गया कि यह आखिरी संकेत है।

उन्होंने कहा, मैंने कोशिश की लेकिन इस सप्ताह वैसा एहसास वापस नहीं आया। मैंने जीवन में कई कठिन दौर देखे हैं, लेकिन इस समय मुझे लगा कि मैं सिर्फ. इसलिए खेल रहा हूं क्योंकि मुझे खेलना चाहिए। यह फैसला शायद थोड़ा स्वार्थी लगे, लेकिन इस समय मेरे लिए यही सबसे सही फैसला है। मैं इस खेल से प्यार करता हूं और चाहता हूं कि वह प्यार बना रहे।

अपने करियर में मैंने मैदान के भीतर और बाहर कई निराशाओं का सामना किया है और उनसे उबर भी गया हूं। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में जो हुआ, उसके बाद भावनात्मक रूप से चीजें बदल गईं। मैंने अपनी पत्नी से कहा था कि मुझे नहीं लगता कि अब मेरे भीतर इससे उबरने की लड़ाई लड़ने की ताकत बची है।

35 वर्षीय स्टोक्स ने कहा , यह खेल बहुत कठोर है, शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से। मैं 35 साल का हूं और मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए मुझे लगातार बहुत मेहनत करनी पड़ती है। सवाल यह था कि क्या मेरे भीतर वह लड़ाई अभी भी बची है? क्या मैं आगे भी उसी स्तर की मेहनत कर सकता हूं। भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक , हर पहलू ने मुझे इस फैसले की ओर धकेला।

उन्होंने कहा, अगर वह सीरीज का आखिरी मैच होता और हम ऐशेज जीत जाते तो वह और भी खास होता। फिर भी वह मेरी पसंदीदा पारियों में से एक रहेगी। मैं अपने करियर से पूरी तरह संतुष्ट हूं। मैंने ऐशेज जीती है, वनडे विश्व कप और टी-20 विश्व कप जीता है, इंग्लैंड की कप्तानी की है और खेल के कुछ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला है। शिकायत करने के लिए मेरे पास बहुत कुछ नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

शूलिनी मेले में हादसा, मिक्की माउस झूले की निकली हवा, कई बच्चों के फंसने की आशंका

सोलनः सोलन के ऐतिहासिक शूलिनी मेले में बच्चों के हवा से फुलाए जाने वाले झूले मिक्की माउस के अचानक बैठ जाने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में झूले के बैठते ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दिया, जिसके बाद अभिभावको और स्थानीय लोग तुरंत बच्चों की मदद के लिए दौड़ पड़ते हैं।

सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद अभिभावकों ने मेले में बच्चों के लिए लगाए गए झूलों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की मांग की। उनका कहना है कि ऐसे आयोजनों में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार बस और पिकअप की टक्कर, तीन की मौत, पांच गंभीर

देहरादूनः उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के श्यामपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह दुर्घटना 4.2 फ्लाईओवर के पास उस समय हुयी, जब उत्तराखंड परिवहन की टनकपुर डिपो की यात्री बस विपरीत दिशा से आ रहे एक पिकअप वाहन से टकरा गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही श्यामपुर थाना पुलिस, एंबुलेंस और राहत-बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहनों से बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जिनमें अहान आयु 18 वर्ष, पुत्र शराफत, निवासी बढ़ापुर, नजीबाबाद (बिजनौर) फहीम आयु 35 वर्ष पुत्र अमानत निवासी नजीबाबाद (बिजनौर), तथा एक अन्य अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। इनके अलावा पांच अन्य घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल ले जाये गए हैं।

अगरताल एयरपोर्ट के पास 8 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, राज्य में अवैध तरीके से घुसे थे

अगरतलाः त्रिपुरा पुलिस ने रविवार शाम आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। इन पर आरोप है कि ये गैर-कानूनी तरीके से राज्य में घुसे थे और अगरतला के महाराजा बीर बिक्रम एयरपोर्ट से आगे की यात्रा करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू की गई थी। जानकारी से पता चला था कि चार बांग्लादेशी नागरिक त्रिपुरा में घुसकर हवाई अड्डे के रास्ते राज्य से बाहर जाने की योजना बना रहे थे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने निगरानी बढ़ाई और शुरूआत में चार लोगों को पकड़ा।

पकड़े गए संदिग्धों से और पूछताछ करने पर ऐसी जानकारी मिली जिससे पुलिस ने एयरपोर्ट के आस-पास चार और लोगों को गिरफ्तार किया। हवाई अड्डा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि शुरूआती गिरफ्तारी पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी, जबकि पहले समूह से पूछताछ के बाद बाकी लोगों की पहचान और गिरफ्तारी हो सकी। पकड़े गए सभी आठ लोग कोलकाता होते हुए दक्षिण भारत के किसी राज्य में जाने की योजना बना रहे थे।इन सभी को अदालत में पेश किया गया और पुलिस ने उनसे हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अनुमति मांगी।

पुलिस ने कहा कि जांचकर्ता इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये लोग त्रिपुरा में कैसे घुसे और आगे कहाँ जाना चाहते थे और क्या यह मामला मानव तस्करी या गैर-कानूनी आव्रजन जैसी किसी बड़ी साजिश से जुड़ा है।

अडाणी मामले में अमेरिकी जज का आदेश सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा: कानून विशेषज्ञ

,8,लीड

वॉशिंगटन : उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप हटाने की जस्टिस डिपार्टमेंट की अर्जी मंजूर करने से पहले, अमेरिकी फेडरल जज का डिपार्टमेंट से और अधिक जानकारी मांगने का फैसला एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है और इससे मामले के रद्द होने पर प्रक्रिया पर शायद ही कोई असर होगा। यह जानकारी अमेरिकी और भारतीय विशेषज्ञ की ओर से आईएएनएस को दी गई।

साथ ही कहा कि मुकदमा चलाने या न चलाने का फैसला आखिरकार कार्यकारी शाखा के हाथ में होता है।

कोलंबिया लॉ स्कूल में लॉ के एडॉल्फ ए. बर्ले प्रोफेसर और सिक्योरिटीज लॉ व कॉर्पोरेट मुकदमों के मामलों में अमेरिका के प्रमुख विशेषज्ञों में से एक, जॉन सी. कॉफी ने कहा कि जज निकोलस गैराफिस अभियोजकों से उनके फैसले को सही ठहराने के लिए कह सकते हैं, लेकिन वे एग्जीक्यूटिव ब्रांच के फैसले की जगह कोर्ट का फैसला नहीं थोप सकते।

कॉफी ने आईएएनएस से कहा, सामान्यतः, हमारे संविधान के तहत, अभियोजन संबंधी विवेकाधिकार को एक कार्यकारी शक्ति के रूप में देखा जाता है, जो अंततः राष्ट्रपति के पास होती है, क्योंकि वह कार्यपालिका शाखा के प्रमुख हैं।

उन्होंने कहा, हालांकि कोर्ट वजह पूछ सकती है, लेकिन वह प्रॉसिक्यूटर के फैसले को पलट नहीं सकती, क्योंकि हमारे संविधान के तहत शक्तियों के बंटवारे के अनुसार यह फैसला लेने का अधिकार कार्यपालिका के पास है। कोर्ट का यह फैसला असामान्य है और इसे इतना नहीं बढ़ाया जा सकता कि कोर्ट प्रॉसिक्यूटर के केस खत्म करने के फैसले की गहराई से समीक्षा कर सके।

कॉफी का यह आकलन तब आया है, जब जज गैराफिस ने जस्टिस डिपार्टमेंट को आदेश दिया था कि वह अदाणी और सात अन्य आरोपियों के खिलाफ लगे आरोपों को हमेशा के लिए खत्म करने की अपनी अपील के लिए विस्तृत कारण और सहायक तथ्य पेश करे।

पांच पेज के आदेश में जज ने कहा कि सरकार की संक्षिप्त अर्जी में इतनी जानकारी नहीं थी कि कोर्ट फेडरल रूल्स ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर के नियम 48(ए) के तहत अपनी जिम्मेदारियां निभा सके।

जस्टिस डिपार्टमेंट ने सिर्फ इतना कहा था कि उसने मामले की समीक्षा की है और अपने अभियोजन संबंधी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला किया है कि आपराधिक आरोपों को आगे बढ़ाने में और संसाधन नहीं लगाए जाएंगे। अमेरिका की पूर्व अटॉर्नी बारबरा मैकक्वेड ने कहा कि जज की यह मांग असामान्य थी, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में थी। मैकक्वेड ने आईएएनएस को बताया, मुझे इस मामले के बारे में जानकारी नहीं है, लेकिन किसी जज का केस खारिज करने के कारणों पर सवाल उठाना असामान्य बात है। अकसर ऐसा होता है कि जो सरकारी पक्ष केस लाता है, अगर वह उसे खारिज करना चाहता है, तो आमतौर पर बिना किसी जांच-पड़ताल के उसे मंजूरी दे दी जाती है। उन्होंने आगे कहा कि जज और स्पष्टीकरण मांग सकते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न्याय विभाग अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल नहीं कर रहा है। हालांकि, जज के लिए यह पता लगाना सही है कि कहीं जस्टिस डिपार्टमेंट अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल तो नहीं कर रहा है जैसे कि किसी एक ही व्यक्ति के खिलाफ बार-बार आरोप लगाना और फिर उन्हें वापस लेना।

मैकक्वेड ने कहा कि भले ही कोर्ट सरकारी वकीलों को केस आगे बढ़ाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता, लेकिन उसके पास कुछ सीमित प्रक्रियात्मक अधिकार होते हैं।

मैकक्वेड के मुताबिक,ह्वजज किसी को केस आगे बढ़ाने के लिए मजबूर नहीं कर सकते, लेकिन वे यह तय कर सकते हैं कि केस को विद प्रीज्यूडिस (दोबारा आरोप लगाने की मनाही के साथ) या विदाउट प्रीज्यूडिस (दोबारा आरोप लगाने की गुंजाइश के साथ) खारिज किया जाए, जिससे यह तय होता है कि भविष्य में दोबारा आरोप लगाए जा सकते हैं या नहीं। जाने-माने भारतीय सीनियर वकील और पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे ने जज के आदेश को जस्टिस डिपार्टमेंट के फैसले के खिलाफ कोई बड़ी चुनौती नहीं, बल्कि एक सामान्य प्रक्रिया साल्वे ने आईएएनएस से ??कहा, दुनिया की हर अदालत में, जब भी कोई केस दायर किया जाता है, तो वह केस अदालत की संपत्ति बन जाता है।

उन्होंने कहा, इस कारण, जब आप अदालत से केस खत्म करने के लिए कहते हैं, तो वे पूछते हैं, क्यों? फिर सरकार अपनी वजहें बताती है, तो यह एक आम बात है और इसमें कुछ और सोचने की जरूरत नहीं है। नियम के मुताबिक, जज को वजह देखनी होती है और फिर केस खत्म करना होता है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या जज गैराफिस सरकार की अपील ठुकरा सकते हैं, तो साल्वे ने कहा, ह्वयह एक औपचारिकता है। अगर वे उन्हें कारण बताने से मना करते हैं, तो वह कहेंगे कि मुझे कारण बताएं। एक बार जब वे कारण बता देंगेह्व तो वह कहेंगे, ठीक है, जज का काम उनके फैसलों पर सवाल उठाना नहीं है। साल्वे ने उन बातों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा जा रहा था कि इस नए आदेश से लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा, अपील की कोई जरूरत नहीं है। यह प्रक्रिया से जुड़ा एक छोटा सा आदेश है। अडाणी ग्रुप का इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह मामला सरकारी वकील और जज के बीच का है। पूर्व फेडरल प्रॉसिक्यूटर और नेशनल सिक्योरिटी लॉयर पॉल रोसेनजवेग भी इस बात से सहमत थे कि आखिरकार जस्टिस डिपार्टमेंट की ही जीत होने की संभावना है, हालांकि उन्होंने जज गैराफिस के आदेश को प्रक्रिया के सामान्य कदम से कहीं अधिक अहम बताया।

रोसेनजवेग ने आईएएनएसको बताया, आखिरकार, जिन भी जजों के सामने यह सवाल आया है, उन्होंने यही तय किया है कि उनके पास केस को खारिज करने के डिपार्टमेंट के अनुरोध को ठुकराने का अधिकार नहीं है।ह्व

रोसेनजवेग ने कहा, ह्वअमेरिका में मुकदमा चलाने का अधिकार एग्जीक्यूटिव ब्रांच यानी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस के पास होता है, और आप डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस को ऐसा केस चलाने के लिए मजबूर नहीं कर सकते जिसे वे चलाना नहीं चाहते। इसलिए, मुझे लगता है कि लंबे समय में यह केस खारिज हो जाएगा।ह्व

रोसेनजवेग ने कहा कि अगर कोर्ट जस्टिस डिपार्टमेंट की दलील मान लेती है, तो कार्यवाही कुछ हफ्तों में पूरी हो सकती है, लेकिन अगर जज गारौफिस फैसला सुनाने से पहले सरकार के कारणों की जांच के लिए किसी स्वतंत्र वकील को नियुक्त करते हैं, तो इसमें अधिक समय लग सकता है।

जज गारौफिस ने जस्टिस डिपार्टमेंट को निर्देश दिया है कि वे 13 जुलाई तक अपना विस्तृत स्पष्टीकरण जमा करें।

अक्टूबर 2024 में न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट में एक फेडरल ग्रैंड जूरी द्वारा जारी और अगले महीने सार्वजनिक किए गए आरोप-पत्र में, अदाणी ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारियों और छह अन्य लोगों पर भारत में सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट्स से जुड़े रिश्वत, सिक्योरिटीज फ्रॉड और न्याय में बाधा डालने की कथित साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। सभी आरोपियों ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है।

पिछले महीने, अमेरिकी न्याय विभाग ने सिक्योरिटीज और वायर फ्रॉड के कथित मामले में अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ सभी आपराधिक आरोप हमेशा के लिए हटा दिए। न्याय विभाग ने कहा, विभाग ने इस मामले की समीक्षा की है और अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए यह तय किया है कि इन आरोपियों के खिलाफ आपराधिक आरोपों पर आगे और संसाधन खर्च नहीं किए जाएंगे।

यूरोप में भी गर्मी से हाहाकार, फ्रांस में 1000 लोगों की मौत, ब्रिटेन, जर्मनी जैसे देश भी तप रहे

दिल्ली में 51.3 डिग्री सेल्सियस पहुंचा हीट इंडेक्स, सडकें लगी पिघलने, ब्रिटेन में 50 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्लीः यूरोप इन दिनों रिकॉर्ड तोड़ हीटवेव की चपेट में है। फ्रांस में भीषण गर्मी से करीब 1,000 अतिरिक्त लोगों की मौत हुई है। हेल्थ एजेंसी ने रविवार को बताया कि ये मौतें 24 जून से 27 जून के बीच हुईं। अतिरिक्त मौतों का मतलब है कि पिछले कुछ साल में हुई औसत मौतों की तुलना में इस बार करीब 1000 लोग ज्यादा मरे हैं। हालांकि सरकार ने न ही पिछली बार और न ही इस बार का कोई सटीक आंकड़ा दिया है। वहीं, दिल्ली में हीट इंडेक्स 51.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा गया है, जबकि असली तापमान सिर्फ 41.3 डिग्री था। यह फर्क हवा में मौजूद नमी की वजह से है। वहीं, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन, डेनमार्क, चेक रिपब्लिक, इटली और स्विट्जरलैंड समेत कई देशों में तापमान ने दशकों पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। रविवार को यूरोप के 16 देशों में करीब 19.1 करोड़ लोगों को 35 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान का सामना करना पड़ा। कहीं सडकें पिघल रही हैं, कहीं स्कूल बंद करने पड़े हैं, तो कहीं जंगलों में भीषण आग भडक उठी है। ब्रिटेन के इतिहास में पहली बार

लगातार तीन दिनों तक रेड वार्निंग जारी करनी पड़ी है। ब्रिटेन में जून के महीने का 50 साल पुराना पिछला रिकॉर्ड इस हफ्ते लगातार तीन दिन टूटा है।

दक्षिणी इंग्लैंड में तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो इस जून का नया रिकॉर्ड है। ब्रिटेन के इतिहास का सबसे अधिक तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस है, जो जुलाई 2022 में दर्ज किया गया था। माना जा रहा है कि यह इस साल टूट सकता है। अत्यधिक गर्मी के कारण पैदा हुए स्वास्थ्य संकट को देखते हुए पोलैंड, फ्रांस और इटली जैसे देशों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि रेल पटरियों और सडकों को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए जर्मनी में ट्रेन सेवाएं आंशिक रूप से निलंबित कर दी गई हैं. बर्लिन में पारा 39 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ जाने पर स्थानीय पुलिस सडकों पर लोगों को राहत देने के लिए वॉटर कैनन (पानी की बौछारों) का इस्तेमाल कर रही है.। धर, वैज्ञानिकों ने इस दमघोंटू लू का मुख्य कारण मानव-निर्मित जलवायु परिवर्तन को बताते हुए आगाह किया है कि इसके चलते रात का तापमान दो दशक पहले की तुलना में 100 गुना अधिक गर्म होने की संभावना बढ़ गई है।

वेनेजुएला में 68 हजार लोग अभी भी लापता, आज फिर 5.6 तीव्रता

एजेंसी/ काराकासः वेनेजुएला में रविवार को फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। यूरो-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक भूकंप का केंद्र अरागुआ तट के पास समुद्र में 30 किलोमीटर की गहराई में था। वेनेजुएला में भूकंप अब तक हजारों लोगों की जिंदगियां निगल गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब तक इस भूकंप में 1430 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। हालांकि आंकड़ा बहुत बड़ा हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, परिवारों ने रविवार सुबह कम से कम 68,900 लोगों के लापता होने की जानकारी दी है। अब भी मलबे से लाशों पर लाशें निकल रही हैं।

वहीं, देश के उत्तरी तट के बाद अब भी लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी कराकास और माराके में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। वेनेजुएला के सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों में से एक, ला ग्वायरा में, अपने प्रियजनों और पड़ोसियों की तलाश कर रहे लोग फावड़ों, भारी मशीनों, रस्सियों और अपने हाथों का इस्तेमाल करके कंक्रीट के ढेर को हटाने की कोशिश करते दिखे। भूकंप में 3360 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 250 के करीब लोगों को जिंदा निकाला गया है। वेनेजुएला में राहत टीमों की कमी की वजह से लोगों को खुद ही मलबा हटाकर परिजनों की तलाश करनी पड़ रही है। वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा है कि लोग ला गुआइरा राज्य की यात्रा से बचें। उन्होंने कहा कि यह समय बेहद संवेदनशील है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाना है।

जापान में कांपी धरती : टोक्योः भूकंप से एक बार फिर जापान हिल गया है(जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि रविवार सुबह पूर्वोत्तर जापान में इवाते प्रान्त के तट पर 6.1 तीव्रता का तेज भूकंप आया। एजेंसी ने यह भी बताया है कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। जेएमए के अनुसार भूकंप सुबह 5:21 बजे 41 किलोमीटर की गहराई में आया।

खड़े ट्रक से टकराई कार, पांच की मौत,6

अमरावतीः महाराष्ट्र के अमरावती जिले में धमनगांव रेलवे क्षेत्र के पास समृद्धि एक्सप्रेसवे पर रविवार को एक कार के खड़े कंटेनर ट्रक से टकरा जाने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह परिवार चंद्रपुर के बाबूपेठ इलाके का था और वे एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कार से अकोला जा रहे थे। एक्सप्रेसवे पर चैनल नंबर 106 के पास यह हादसा हुआ। मृतकों में आरती जीवने (40), भास्कर महादेव जीवने (57), महादेव जीवने (42), लता महादेव जीवने (43) और त्रिशा जीवने (12) शामिल हैं।

भारत की जमीन पर चीन ने किया कब्जा,बॉर्डर पर रह रहे आदिवासियों का बड़ा दावा

नई दिल्ली : भारत-चीन सीमा विवाद के बीच अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले से स्थानीय आदिवासी समुदाय की ओर से सीमा क्षेत्र में कथित चीनी अतिक्रमण का मामला सामने आया है। नाह वेलफेयर सोसाइटी ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर दावा किया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट चीनी सेना ने पिछले कुछ वर्षों में उनकी पारंपरिक जमीन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, संगठन का आरोप है कि पिछले छह वर्षों के दौरान चीनी सेना ने उन क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित किया है, जहां स्थानीय लोग वर्षों से खेती और पशु चराने का कार्य करते रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि चीन पिछले 10 से 15 वर्षों से धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा था, लेकिन वर्ष 2020 के बाद इसकी रफ्तार काफी तेज हो गई।

ज्ञापन में संगठन ने ताक्सिंग क्षेत्र के अंतर्गत

पांच स्थानों का उल्लेख किया है, जहां कथित तौर पर चीनी गतिविधियां बढ़ी हैं। इनमें ओयिंग, पोत्रंग झील, तिन्दिनतांग (टीजी), पनिआर (चुजार्टा क्षेत्र) और मरपन (मनार्फे) शामिल हैं। संगठन का कहना है कि वर्ष 2020 तक इन इलाकों पर स्थानीय समुदाय की पहुंच थी, लेकिन अब इन क्षेत्रों पर चीन का नियंत्रण होने का दावा किया जा रहा है।

नाह वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष केरु चादर ने ज्ञापन में कहा कि उन्हें भारतीय सेना पर पूरा भरोसा है, लेकिन उनके अनुसार ताक्सिंग क्षेत्र में चीनी पीएलए की गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चीनी सेना ने भारतीय क्षेत्र के भीतर सड़कें और सैन्य ढांचा भी विकसित किया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इस मुद्दे पर नाचो विधानसभा क्षेत्र के विधायक नाकाप नालो ने भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की संप्रभुता से जुड़ा गंभीर विषय है तथा स्थानीय लोगों के आरोपों की जिला प्रशासन और सेना द्वारा आधिकारिक जांच और पुष्टि की जानी चाहिए।

फिलहाल अरुणाचल प्रदेश सरकार, भारतीय सेना या केंद्र सरकार की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई है।

गौरतलब है कि चीन अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा नहीं मानता और उसे जांगनान (दक्षिण तिब्बत) कहकर उस पर दावा करता है। चीन समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के चीनी नाम जारी करता रहा है और सीमा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास की गतिविधियां भी बढ़ाता रहा है। वहीं भारत लगातार यह स्पष्ट करता आया है कि अरुणाचल प्रदेश देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है तथा चीन के दावों का कोई कानूनी या वास्तविक आधार नहीं है।

न्यूज IN ब्रीफ

बैडमिंटन प्रतियोगिता में रैकेट घुमाओ, नशा भगाओ का संदेश

धनबाद : नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के तहत आईआईटी धनबाद के स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर बैडमिंटन कोर्ट में रैकेट घुमाओ, नशा भगाओ थीम पर ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ स्वस्थ, अनुशासित और नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता में छात्रों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। जूनियर गर्ल्स डबल्स वर्ग में अनिवेदा और नव्या की जोड़ी विजेता रही, जबकि दिव्यानी और सुभिक्षा उपविजेता बनी। जूनियर ब्वॉयज डबल्स में ईऑन और अरुण ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि श्लोक और अनीश उपविजेता रहे।

वीमेंस डबल्स में स्वास्ति और सोनाली ने खिताब अपने नाम किया, जबकि पलक और अलीशा दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं, मेंस डबल्स में चेतन और विजय विजेता बने तथा चंदन और अनीकेत की जोड़ी उपविजेता रही। विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रो. संजय मंडल एसोसिएट डीन, डॉ अनीता कुमारी फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स ऑफिसर, अनूप कश्यप समेत अन्य सक्रिय रहे।

बाइक हादसे में युवक घायल इलाज के दौरान मौत

मेदिनीनगर : पाटन थाना क्षेत्र के कारिहार गांव के समीप सोमवार सुबह करीब 9 बजे हुए सड़क हादसे में एक मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक पाटन के कुडवा मोड़ का रहने वाला बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर अचानक आए एक कुत्ते को बचाने के प्रयास में बाइक चालक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में कुत्ते की भी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों की मदद से घायल को एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पार्षद अब सड़क पर उतरकर मांगेंगे अपना अधिकार

धनबाद : धनबाद नगर निगम के अधिकारियों द्वारा विकास कार्यों में पार्षदों की जा रही उपेक्षा के खिलाफ रविवार को वार्ड 41 के पाथरबंगला स्थित आयुष्मान केंद्र में पार्षदों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता वार्ड 13 की पार्षद कर्मी देवी ने तथा संचालन वार्ड 10 के पार्षद देवाशीष पासवान ने किया।

बैठक में लगभग 22 पार्षदों और उनके प्रतिनिधियों ने हिस्सा लेकर निगम की कार्यप्रणाली के खिलाफ आक्रोश जताया। पार्षदों ने आरोप लगाया कि मेयर और नगर आयुक्त द्वारा वार्डों की जनसमस्याओं को अनसुना किया जा रहा है। सफाईकर्मियों की संख्या बढ़ाने के बजाय उसमें कटौती की जा रही है। विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के कारण क्षेत्र में सड़क, नाली और साफ-सफाई की व्यवस्था बेपटरी हो गई है। जन्म मृत्यु प्रमण पत्र बनाने की प्रक्रिया को जटिल बना दिया गया है।

किसी भी कार्य में पार्षद को कोई अधिकार नहीं दिया गया है। इससे उन्हें जनता के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। पार्षदों का कहना है कि मेयर भी उनकी शिकायतों पर ध्यान देने के बजाय केवल अधिकारियों और कर्मियों की बात सुनते हैं। समस्याओं के समाधान के लिए पार्षदों ने 'एकता मंच' बनाने और बोर्ड की बैठक से पहले, डिप्टी मेयर के नेतृत्व में एक जुलाई को बेकारबांध में अगली बैठक कर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का निर्णय लिया है। बैठक में मुख्य रूप से जय कुमार, सुजीत कुमार सिंह, शैलेंद्र सिंह, अनुरंजन सिंह, वीरेंद्र यादव, मुनिलाल रविदास, संजय यादव, आफताब आलम, अजीत महतो, निरंजन कुमार, रश्मि राज, निसार आलम,मो अलीम और शमीम अख्तर आदि उपस्थित थे।

झारखंड में राष्ट्र की संपत्ति की मची है लूट : ढुलू महतो

धनबाद : नागरिक एकता मंच लोदना की ओर से रविवार को कुजामा में एक सभा आयोजित की गई। इसमें बतौर मुख्य अतिथि धनबाद सांसद ढुलू महतो शामिल हुए। सांसद ढुलू महतो ने लाल झंडे के एक नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि धनबाद और निरसा में हो रहे विकास से कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि माफिया कोयला और आउटसोर्सिंग की आड़ में लूट मचा रहे हैं और ठेका मजदूरों को एचपीसी वेतन नहीं दिया जा रहा है। विस्थापन के नाम पर दलाली का खेल चल रहा है। केंद्र सरकार की जेआरडीए योजना के तहत गरीबों को बेलगढ़िया में आवास मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें दूसरी जगह भेजा जा रहा है।

सांसद ने बीसीसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि गरीबों के साथ अन्याय हुआ, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। पूरे झारखंड में राष्ट्रीय संपत्ति और कोयले की लूट मची है और विरोध करने वालों पर झूठी प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। मौके पर सत्येन्द्र गुप्ता, पूर्व पार्षद अनुप साव, संजय महतो, नागेश्वर पासवान, सुरेन्द्र पासवान, सुरेश भुइंया, राजकुमार भुइंया, गफार खान, अजय साव, मनोज साव और रुद्रल पासवान आदि उपस्थित थे।

बेदखली अभियान के विरोध में सिंदरी बचाओ मोर्चा की बाइक रैली

धनबाद : एफसीआई के बेदखली अभियान के खिलाफ रविवार को 'सिंदरी बचाओ सामूहिक मोर्चा' ने साईं मंदिर के समीप से बाइक रैली निकाली। मोर्चा के संयोजक सेवानिवृत्त डीएसपी रवींद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में रैली ने शहरपुरा, रांगामाटी, कुली कैंप, रोहड़ाबांध, मनोहरटांड़, केडी और डोमगढ़ कॉलोनियों का भ्रमण किया। रवींद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि यह रैली 29 जून को एफसीआई के मुख्य प्रवेश द्वार पर प्रस्तावित एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए जन-जागरण का अंतिम कार्यक्रम था। दूसरी ओर, सिंदरी खाद कारखाने के वित्तीय व प्रशासनिक सलाहकार देवदास अधिकारी ने रैली में शामिल लोगों के खिलाफ सिंदरी थाने में शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोर्चा समर्थकों ने रोहड़ाबांध स्थित उनके आवास पर रैली रोककर अभद्र भाषा का प्रयोग किया, जिससे घर की महिलाएं और बच्चे भयभीत हो गए। देवदास अधिकारी ने मोर्चा संयोजक रवींद्र प्रसाद सिंह, मनोज मिश्रा, अरविंद खत्री, अरुण कुमार सिंह, मृत्युंजय सिंह, सतीश मिश्रा और 60-70 अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए आवेदन की प्रति उपायुक्त धनबाद और एसएसपी धनबाद को प्रेषित किया है।-सिंदरी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने कहा कि एफसीआई के संपदा अधिकारी देवदास अधिकारी ने सिंदरी बचाओ सामुहिक मोर्चा के कुछ लोगों के खिलाफ लिखित शिकायत की है। मामले की जांच की जा रही है।

दूसरे दिन घर-घर जाकर पिलाई जा रही पोलियो की दवा

जमशेदपुर : पल्स पोलियो अभियान के दूसरे दिन कार्यकर्ता घर-घर जाकर दवा पिला रहे हैं। इसके लिए प्रत्येक प्रखंड और शहरी क्षेत्र में इसके लिए कार्यकर्ता लगाए गए हैं। कार्यकर्ता शहरी क्षेत्र में क्षेत्रवार बांटे गए हैं और लक्ष्य के अनुसार उन्हें दवा पिलाने को कहा गया है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अलावा भी कर्मियों एवं कार्यकताओं को लगाया गया है।

कराईकेला जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया देवस्नान पूर्णिमा महोत्सव, 201 महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

संवाददाता

चक्रधरपुर : कराईकेला स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में सोमवार को देवस्नान पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ. इस अवसर पर मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही. पूजा-अर्चना के बाद 201 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया.कलश यात्रा मंदिर परिसर से गाजे-बाजे, शंखध्वनि और भजन-कीर्तन के साथ प्रारंभ होकर प्रसिद्ध आहारबांध तालाब पहुंची. वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कर कलश में पवित्र जल भरा गया. इसके बाद श्रद्धालु महिलाएं भक्ति गीतों का गायन करते हुए पुनः मंदिर पहुंचीं. सायंकाल पंडित जगदीश चंद्र ठाकुर एवं भरत भूषण मिश्रा ने वैदिक विधि-विधान से भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा का पवित्र जल से महाअभिषेक (देवस्नान) कराया. स्नान के उपरांत तीनों विग्रहों को सिंहासन पर विराजमान कर विशेष पूजा-अर्चना की गई.पूजा के बाद श्रद्धालुओं के बीच खीर-खिचड़ी तथा श्रीसत्यनारायण महाप्रसाद का वितरण किया गया. धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को खीर-खिचड़ी एवं खट्टा का भोग अर्पित किया गया. मान्यता है कि देवस्नान के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं, जिसके चलते उन्हें उपचार एवं विश्राम के लिए अनसर गृह में विराजमान कराया जाता है.मंदिर के पुजारियों ने बताया कि मंगलवार से आगामी 15 दिनों तक मंदिर का पट बंद रहेगा, इस दौरान श्रद्धालु महाप्रभु के प्रत्यक्ष दर्शन नहीं कर सकेंगे. 15 जुलाई को नवयौवन दर्शन एवं नेत्र उत्सव के बाद भगवान श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे. इसके उपरांत 16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है. इस अवसर पर श्री श्री जगन्नाथ पूजा कमिटी 64 मौजा कराईकेला के संरक्षक प्रशांत साहू ने कहा देव स्नान पूर्णिमा प्रभु जगन्नाथ की भक्ति और शुद्धिकरण का महापर्व है. आज के दिन प्रभु के दर्शन मात्र से भक्तों के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं. 64 मौजा कराईकेला के समस्त श्रद्धालुओं के लिए यह अत्यंत सौभाग्य का दिन है कि हम सामूहिक रूप से प्रभु के इस भव्य अभिषेक और अनुष्ठान के साक्षी बन रहे हैं. प्रभु जगन्नाथ का आशीर्वाद हम सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और एकता का संचार करे. मेरी कामना है कि प्रभु की कृपा से हमारे क्षेत्र की कृषि, शिक्षा और सामाजिक सद्भावना निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे.उन्होंने कमिटी के सभी सदस्यों और स्थानीय निवासियों से आह्वान किया कि वे पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ इस उत्सव को मनाएं और प्रभु के बताए सेवा और प्रेम के मार्ग पर चलने का संकल्प लें।कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर के संरक्षक प्रशांत साहू, तुलसी महतो, विवेक मिश्रा, रूपेश त्रिपाठी, राजेंद्र मेलगांडी, ललित नारायण ठाकुर, गिरधारी मंडल, नितेश मंडल, बाबनाथ सारंगी, दुलाल सेन सहित मंदिर समिति के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

रामगढ़ चैंबर की 33वीं आमसभा में व्यापारियों की समस्याओं पर मंथन

हर जायज मांग पर सरकार गंभीर : सुदिव्य कुमार सोनू

संवाददाता

रामगढ़: जिले के बिजुलिया स्थित चैंबर भवन में रविवार को रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की 33वीं वार्षिक आमसभा का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू बतौर मुख्य अतिथि शामिल रहे। समारोह में विधायक ममता देवी, रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज तथा विशिष्ट अतिथि आदित्य मल्होत्रा सहित चैंबर के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य और जिले भर के बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल हुए।

करीब 1500 सदस्यों वाले चैंबर की इस आमसभा में व्यापारियों की समस्याओं, जिले के व्यापारिक माहौल, आधारभूत सुविधाओं और औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान चैंबर की ओर से मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को व्यापारियों की मांगों और समस्याओं से संबंधित मांग-पत्र भी सौंपा गया।

रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि जिला प्रशासन व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा सकारात्मक सहयोग करेगा। प्रशासन और चैंबर के बेहतर समन्वय से व्यापारिक गतिविधियों और जनहित से जुड़े कार्यों को और प्रभावी बनाया जा सकेगा। विधायक ममता देवी ने कहा कि व्यापारियों का योगदान राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। सरकार और चैंबर के संयुक्त प्रयासों से रामगढ़ के विकास को नई गति मिलेगी।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि रामगढ़ राज्य का महत्वपूर्ण औद्योगिक और व्यापारिक जिला है। सरकार यहां उद्योग, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए बेहतर माहौल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चैंबर की ओर से उठाई गई सभी मांगों और समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर समाधान की दिशा में ईमानदार पहल की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि रामगढ़ व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है और यहां आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने, उद्योग एवं कारोबार को बढ़ावा देने तथा निवेश के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। व्यापारियों और सरकार के बीच बेहतर समन्वय से जिले के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। समस्याओं के निराकरण की दिशा में गंभीर और ईमानदार पहल की जाएगी। उन्होंने व्यापारियों को आश्स्वत किया कि सरकार इस विषय को पूरी संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ देखेगी।

उन्होंने कहा कि समाज का प्रबुद्ध और उत्पादक वर्ग, जो संसाधनों का सृजन करता है तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है, यदि संगठित होकर अपनी समस्याओं और सुझावों को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार तक पहुंचाने का प्रयास करता है, तो ऐसे प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय हैं। समाज में संवाद अत्यंत आवश्यक है। समस्याओं के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम संवाद ही है। जब सरकार, जनप्रतिनिधि और समाज के विभिन्न वर्ग आपसी चर्चा करेंगे, तभी सकारात्मक और स्थायी समाधान निकल सकेगा। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि हमारी सरकार संवाद में विश्वास करती है। हम ऐसी परंपरा नहीं चाहते जिसमें जनता सरकार से भयभीत रहे। हमारा मानना है कि सरकार को जनता के गुस्से और भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। जब सरकार जनता की भावनाओं को समझेगी और उसकी अपेक्षाओं के प्रति जवाबदेह रहेगी, तभी फैसले जनता के हित में होंगे। यदि सरकार जनता की बातों को गंभीरता से सुनेगी, तो विश्वास और पारदर्शिता दोनों मजबूत होंगे। लेकिन यदि जनता की आवाज को अनसुना किया जाएगा, तो लोकतंत्र की भावना कमजोर होगी।

कार्यक्रम के दौरान चैंबर की ओर से सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आमसभा में व्यापार, उद्योग, सड़क, बिजली, यातायात, आधारभूत संरचना और जिले के समग्र विकास से जुड़े मुद्दों पर भी व्यापक चर्चा हुई। अंत में चैंबर पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों और व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए जिले के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

ज्ञान यज्ञ परिवार की राष्ट्रीय अधिवेशन अयोध्या में: आचार्य मुनि जी

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : ज्ञानयज्ञ अधिवेशन की तैयारियों का अंतिम रूप देने के लिए ज्ञान यज्ञ परिवार रामानुजगंज की मासिक बैठक स्थानीय धर्मशाला सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ज्ञानेंद्र आर्य ने की। बैठक में आगामी 25-26 जुलाई 2026 को अयोध्या धाम में आयोजित होने वाले ज्ञान केंद्र प्रांतीय अधिवेशन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई और संगठनात्मक निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि रामानुजगंज से एक विशेष बस अयोध्या के लिए रवाना होगी। बस में नगर क्षेत्र के सदस्यों तथा ग्रामीण अंचलों के ज्ञान केंद्र प्रभारियों एवं कार्यकताओं के लिए निर्धारित की गई हैं। बैठक में सभी ज्ञान केंद्रों से समय पर सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। बैठक में मां संस्थान के मार्गदर्शक आचार्य बजरंग मुनि जी ने विशेष मार्गदर्शन किया।मुनि जी अपने संबोधन में कहा कि समाज की स्वशासी शक्तियों की पुनर्स्थापना और समाज को पुनः सशक्त बनाने के उद्देश्य से जो उपक्रम मां संस्थान और ज्ञान केंद्रों के माध्यम से चलाया जा रहा है, उस स्वरूप का कार्य वर्तमान समय में अन्य किसी संस्था द्वारा नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त बनाने का कार्य तात्कालिक परिणाम देने वाला नहीं होता, बल्कि यह एक सतत एवं दीर्घकालिक प्रक्रिया है। समाज की स्वाभाविक संस्थाओं, पारिवारिक व्यवस्था, सामाजिक सहभागिता और लोकशक्ति के निरंतर सुदृढ़ होने से ही समाज वास्तविक अर्थों में आत्मनिर्भर एवं स्वशासी बनता है। इसलिए इस अभियान में धैर्य, निरंतरता और संगठनात्मक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। बैठक में उपस्थित कार्यकताओं ने आगामी अयोध्या प्रांतीय अधिवेशन लोक व्यवस्था जागरण अभियान की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। बैठक में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। अयोध्या अधिवेशन में ज्ञान केंद्र संचालक, सहयोगी एवं देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े कार्यकर्ता भाग लेंगे। इसमें ज्ञान केंद्रों के विस्तार, संस्थागत विकास, कार्यकताओं के प्रशिक्षण तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।बैठक में सभी कार्यकताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क अभियान तेज करने तथा निर्धारित समय पर अयोध्या पहुंच अधिवेशन को सफल बनाने का आह्वान किया गया। बैठक में पंकज अग्रवाल,संतोष मकड़ियां, गणेश रवि, रामराज गुप्ता, मोहन गुप्ता, रॉबिन बिस्वास ने अपने विचार व्यक्त किया।

पुलिस की अफीम तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

एक करोड़ 36 लाख का 912 किलोग्राम अफीम डोडा बरामद

संवाददाता

चतरा : जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई में जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के होसिर गांव में छापेमारी कर 912 किलोग्राम डोडा (पोस्ता भूसी) बरामद किया है। बरामद डोडा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ 36 लाख रुपये बताई जा रही है। हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहा। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर लावालौंग थाना क्षेत्र के होसिर गांव में जंगाली गंझू के घर से भारी मात्रा में डोडा रखा हुआ है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए तस्कर के मिट्टी के घर से 912 किलोग्राम अफीम डोडा बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही आरोपी जंगाली गंझू मौके से फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बरामद अफीम डोडा की अनुमानित मूल्य लगभग एक करोड़ 36 लाख रु है। इस संबंध में एनडीपीएस थाना काण्ड सं0-02/2026, दिनांक-28.06.2026, धारा-15 सी0/18 बी0/29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया है।